डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09 >अंक : 11 >मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार | मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

शिक्षक दिवस एवं डोल ग्यारस की हार्दिक शुभकामनाएं

जयपुर
बुधवार, 07 सितम्बर 2022

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

hillviewsamachar@gmail.com

शिक्षक दिवस की सार्थकता ख़तरे में

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। भारत देश आश्रमों की परंपरा वाला देश रहा है। अपने नित्यकर्म के बाद आश्रम की साफ-सफ़ाई से लेकर, लकड़ियाँ लाना, भोजन व्यवस्था करना शिक्षा का ही हिस्सा हुआ करते थे यानी शिक्षा और संस्कार एक साथ चलते थे। वक़्त बदला आश्रम धीरे-धीरे विश्राम अवस्था में जाते चले गए और विद्यालयों का युग आया। भूमि से टूटकर मानव जीवन भौतिक सुविधाओं के साथ समय की सीढ़ी चढ़ने लगा और संस्कार दबे पाँव सीढ़ियां उतरते चले गए। शिक्षक और शिष्यों के बीच संपत्ति ने जगह बना ली। उसी अनुसार सोच, आचार विचार और व्यवहार बनता चला गया।

आज के दौर में गुरु और शिष्य की मध्य ख़त्म होती गरिमा की ज्यादा चर्चा है।पारिवारिक विघटनों का बोलबाला है। युवाओं में बढ़ता क्रोध और प्रतिस्पर्धा अधिक है। कहीं न कोई चाणक्य है ना कोई द्रौण जैसा गुरु है न कोई एकलव्य या चन्द्रगुप्त जैसा शिष्य। मान-मर्यादा का जो सेतु इन शैक्षणिक संबंधों में पीढ़ियों चला आ रहा था वह अब चरमरा गया है। किस दिशा में जा रहे हैं हम ? मानवता पतन की ओर शनै-शनै बढ़ रही है फिर भी कोई दो क़दम पीछे होकर संस्कार का हाथ नहीं थाम रहा क्यों?

भविष्य को बनाने के चक्कर में माता-पिता,शिक्षक और शिष्य सब भाग रहे हैं मगर एक साथ हाथ पकड़कर नहीं बल्कि सब अलग-अलग दिशाओं में। माता-पिता जीवन की दौड़धूप में पस्त हैं,शिक्षक अपनी समस्यों में ग्रस्त है और शिष्य शॉर्टकट में सफलता ढूँढने में व्यस्त है। पारिवारिक विघटन भी इन सब हालातों के पीछे एक बड़ा कारण है। एकाकी परिवार और भाग-दौड़ की ज़िन्दगी। बच्चे का लालन-पालन आया या प्ले स्कूल में उसके बाद में होस्टल में या आस-पड़ौस की देखरेख में। बच्चे में संस्कार आयेंगे कहाँ से?

आइये नज़र डालते हैं शिक्षक दिवस पर कुछ गंभीर घटनाओं पर जो निरन्तर हमें चेता रहीं हैं कि अब भी वक़्त है मानव अपनी भूल सुधार कर मानवता की राह पकड़ ले। जाने-अनजाने में वह भटक कर पतन की राह पर आ गया है...

गुरु के गुण से गौण शिक्षकों की फ़ेहरिस्त

वे घटनाएँ जो हज़ारो की संख्या में घटित हुई हैं जिनमें कुछ का ज़िक्र करना यह बताना है कि क्या हम शिक्षक कहलाने लायक हैं?

1. शिक्षक की संकुचित मानसिकता का शिकार हुआ इंद्र कुमार: राजस्थान के जालौर में 9 साल के दलित छात्र इंद्र कुमार की टीचर के पिटाई किए जाने से मौत हो गई। छात्र ने स्कूल में पानी का मटका छू लिया था। इसी बात से बौखलाए टीचर छैल सिंह ने बच्चे के साथ क्रूरता की। पिटाई में बच्चे के कान की नस फट गई और 25 दिन इलाज के बाद उसकी गुजरात के अहमदाबाद में मौत हो गई।

2.शिक्षक की सनक का शिकार छात्र: राजस्थान के चुरू जिले के कोलासर गांव से हृदय विदारक खबर आई। गांव के एक निजी स्कूल के शिक्षक ने सातवीं कक्षा के बच्चे को कक्षा में पीट-पीटकर मार डाला। उसका कसूर मात्र इतना था कि वह होमवर्क कर के नहीं लाया था।

3.अध्यापक भूले अपना आधार स्नेह, प्रेम और संस्कार: तारानगर चूरू में निजी विद्यालय के टीचर ने पांचवी कक्षा के 11 वर्षीय छात्र की पिटाई इस तरह से की कि बच्चे के कंधे का मांस फट गया।

4. विद्यार्थी की हिंसक क्रिया पर शिक्षक की हिंसक प्रतिक्रिया: सीकर के श्रीमाधोपुर में एक विद्यालय के छात्र को ग्राउंड में बिना कारण टीचर ने पीटा। इसके बाद टीचर ने आरोप लगाया कि छात्र ने उसे थप्पड़ मारा फिर प्रिंसिपल और डायरेक्टर ने उसके कपड़े उतरवाकर लोहे के पाइप से उसे मारा। छात्र के पीठ पर गहरे निशान भी बन गए।

5.मानसिक कमज़ोरी का ज़ोर मासूम पर?: सरदार शहर तहसील के गांव देराजसर के सरकारी विद्यालय की शिक्षिका ने पांचवीं कक्षा की नौ साल की मासूम छात्रा का हाथ मरोड़ दिया तथा हाथ में पैन चुभा दिया। प्रतिउत्तर में बताया कि छात्रा ने पत्थर मारे थे।

सिर्फ़ सरकार ही नहीं संस्कारों की शून्यता भी दोषी!

"शिष्य के संस्कार गौण और गुरु भी अब नहीं द्रोण"

आधुनिक शैक्षणिक सभ्यता की चकाचौंध में धुँधला गया है शिक्षक दिवस

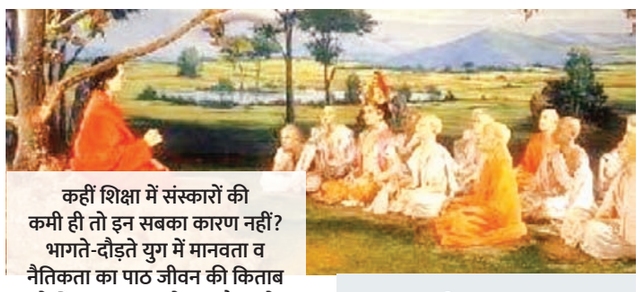

कहीं शिक्षा में संस्कारों की कमी ही तो इन सबका कारण नहीं? भागते-दौड़ते युग में मानवता व नैतिकता का पाठ जीवन की किताब से बिल्कुल अलग हो गया है।हमने धूमधाम से पूरे देश में शिक्षक दिवस मनाया लेकिन आधुनिक शैक्षणिक सभ्यता का ये घिनौना सच किसी सरकार को नज़र नहीं आ रहा कि आख़िर किस दिशा में जा रहे हैं हम और हमारे युवा?

सरकार के साथ-साथ परिवारों को इस विषय में सोचने की बेहद आवश्यकता है कि शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों का भी व्यक्तित्व में समायोजन हो। तभी नैतिकता और मानवता के गुण व्यक्ति विकसित होंगे।

सीकर श्री माधोपुर छात्र को प्रिंसिपल और टीचर ने पाइप से पीटा।

तारानगर चूरू टीचर की पिटाई से छात्र का कंधे का माँस फटा।

जालौर में शिक्षक के पीटने पर छात्र इंद्र कुमार की मौत

झारखंड के दुमका में शिक्षकों को पेड़ से बाँधकर पीटा छात्रों ने

दूसरी ओर गुरु की गरिमा को खंडित करते प्रकरण

भारतीय संस्कृति में गुरु को चरण-स्पर्श करना हमारा कर्तव्य है लेकिन इस युग में न गुरु द्रौण जैसे रहे न शिष्य या माता-पिता एकलव्य जैसे।

1.महिला का शिक्षक होना काम न आया: जयपुर में एक महिला टीचर को ज़िंदा जलाकर मार डालने की वारदात से सनसनी फैल गई। बेटे को स्कूल छोड़ने जाते समय बीच सड़क पर दबंगों ने उसे घेर दिया और पेट्रोल छिड़कर आग लगा दी। बुरी तरह से झुलसी शिक्षिका ने मंगलवार देर रात अस्पताल में दम तोड़ दिया।

2.शिक्षा में संस्कार की कमी का नतीज़ा: झारखंड के दुमका में एक सरकारी स्कूल के 9वीं क्लास के स्टूडेंट्स ने अपने टीचर और स्कूल के दो स्टाफ को पेड़ से बांधा और उनकी पिटाई कर दी। प्रैक्टिकल एग्जाम में कम नंबर आने की वजह से ये सभी स्टूडेंट्स के फेल हो गए थे।

भरतपुर में उधार के मामले में शिक्षिका को ज़िंदा जला दिया

3.संस्कार से सरोकार ही नहीं शिष्यों को: उत्तर प्रदेश के मऊ में छात्र ने शिक्षक की बेरहमी से पिटाई कर दी।वारदात रानीपुर थाना क्षेत्र के खुरहट गांव के पास हुई। शिक्षक पंकज यादव ने स्कूल में पढ़ रहे माखन राजभर को देर से आने और अनुशासनहीनता पर एक दिन के लिए विद्यालय से निकाल दिया था। इससे नाराज माखन राजभर ने बदला लिया।

ख़बर बेख़बर

आख़िर लम्बे समय से जेडीए की मलाईदार पोस्ट पर क्यों टिके हैं रघुवीर सैनी?

अपनी दोगली कार्यनीति से पतन की तरफ़ बढ़ रहे हैं जेडीए मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन अधिकारी

माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत (सैनी) को ध्यान देने की आवश्यकता है कि जयपुर विकास प्राधिकण के मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन अधिकारी के पद पर लंबे समय से विराजमान रघुवीर सैनी आख़िर सरकार के स्थानांतरण नीति से कैसे बचते जा रहे हैं?

लगभग साढ़े तीन साल से एक ही मलाईदार पोस्ट पर जमे रघुवीर सैनी तानाशाह प्रवृति के और अभिमानी भी हो चले हैं।

मीडिया और आम जनता से असभ्य,अमर्यादित तरीक़े से पेश आने वाले रघुवीर सैनी अपना नैतिक कर्तव्य भूल गए हैं कि वे जनता के सेवक हैं न कि जनता के स्वामी या अन्नदाता। सही और ग़लत का फ़र्क़ करना उन्हें आता नहीं बल्कि ग़लत नीतियों के आधार पर अतिक्रमण अवैध निर्माणों की कार्यवाही कर स्वयं के लिए बड़ी खाई तैयार कर रहे हैं। जेडीए से 4-5 किमी के दायरे में होते अतिक्रमण और अवैध निर्माण इन्हें नज़र नहीं आते लेकिन शहर से 50-60 किलोमीटर पर होते अवैध क़ब्ज़ों पर इनकी पैनी नज़र पहुँच जाती है।

जब अवैध निर्माणकर्ता करोड़ों रुपए फूंक देता है तब ये बिल्डिंग सीज करने क्यूं पहुंचते है। क्यूंकि तब वह अवैध बिल्डिंग निर्माणकर्ता की गले की हड्डी बन जाती है। करोड़ों को बचाने के लिए अवैध निर्माण कर्ता लाखों की भेंट चढ़ाने पर मजबूर हो जाता है दूसरी ओर शहर के मुख्यमार्गों की अवैध बिल्डिंग्स इनकी नज़रों से नज़राना लेकर ओझल हो जाती हैं। एक अजीब खेल जेडीए में चल रहा है। गोपालपुरा बायपास, रिद्धि चौराहे पर बनी हुईं और अब भी बनती बड़ी-बड़ी अवैध बिल्डिंग्स इन्हें नज़र नहीं आ रहीं वहाँ चलते अवैध कोचिंग्स इनके लिए बेचारे व्यापारी हैं ....

- आख़िर क्यूँ बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन करती गोपालपुरा बायपास की हर बिल्डिंग इनकी नज़र में वैध हो गयी है?
- आख़िर क्यों मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन अधिकारी को ये अवैध कब्ज़े शहर के बीचों-बीच नज़र नहीं आ रहे?
- आख़िर क्यूं मय सबूत दस्तावेज़ सहित अवैध निर्माण की सूचना देती व लगातार अवैध निर्माण की सूचनाएं सचित्र प्रकाशित करती मीडिया से बौखलाहट के साथ बदतमीजी करने पर उतर आते हैं मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन अधिकारी रघुवीर सैनी?

कई प्रश्न अभी और हैं जो समय के साथ सर उठाते जाएंगे क्योंकि जब ट्वीन टावर के ध्वस्तीकरण के साथ वहाँ के अधिकारियों पर 10 साल बाद गाज़ गिर सकती है तो सब जगह सबकुछ सम्भव है अतः सही वक्त पर सही और सशक्त जवाब ज़रूर मिलेंगे जेडीए मुख्य नियत्रंक प्रवर्तन अधिकारी सैनी को।

ग्रेटर नगर निगम जयपुर के राजस्व को बढ़ाने पर ध्यान दे आयुक्त महेंद्र सोनी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। एक प्रशासनिक अधिकारी पर कितनी ज़िम्मेदारी होती है यह किसी से छिपा नहीं। लगता है नगर निगम ग्रेटर में आकर आईएएस महेन्द्र सोनी के पास समय ही समय है कि वे कार्यालय समय के बाद युवाओं को अंग्रेज़ी सिखाते हैं। मगर माफ़ कीजियेगा....कहा जाता है कि अंग्रेज़ी बड़ी पोलाइट भाषा है तो क्या महेंद्र सोनी पोलाइट भाषा का स्वयं इस्तेमाल करते हैं?

नहीं! बातचीत करने की सभ्यता को सीखने की तो स्वयं उन्हें अधिक आवश्यकता है। बेहतर है कि वे अपने व्यक्तित्व की व्यक्तिगत कमी को पूरा करें तो बेहतर होगा क्योंकि पद हमेशा नहीं रहता मगर मन से मिला सम्मान हमेशा साथ चलता है। लोगों से बातचीत करने का लहज़ा सुधारें और पब्लिक डीलिंग सीखें तो नगर निगम ग्रेटर को बहुत फ़ायदा हो सकता है।

शहर में यातायात की अवरुद्धता व गंदगी पर ध्यान क्यों नहीं जाता आयुक्त नगर निगम ग्रेटर महेंद्र सोनी का?

ग्रेटर नगर निगम के हर आवासीय क्षेत्र में कमर्शियल गतिविधियाँ इस क़दर बढ़ गयी हैं कि जयपुर शहर पूरा का पूरा बाज़ार नज़र आता है। सुख-चैन के दिन हवा हुए बस यह एक व्यवसायिक सिटी बन गया है।

हर तरफ़ जाम दिखाई देता है। गली-गली स्ट्रीट फूड ठेलों से लेकर रेस्टोरेंट तक की भरमार शहर का सुख-चैन छीन रही है।

हर तरफ़ सांठगांठ का माहौल है जो जहाँ से लूट सके लूट ले,खुली छूट है बशर्ते कि वह सरकारी या प्रशासनिक तौर से ज़िम्मेदार हो या पदस्थापित हो?

नगर निगम ग्रेटर के आयुक्त पद को संभाले वक़्त हो चला है लेकिन निगम ग्रेटर में कुछ ऐसा नया नहीं हुआ कि ख़ज़ाने भरने लगे हों।

अवैध चलते ढाबों, रेस्टोरेंट्स, निर्माण कार्यों, अतिक्रमणों के लिए कोई सख़्त कार्यवाही करे तो ख़ज़ाना आज भी ख़ाली नहीं रहेगा। अतः इस ओर आयुक्त महोदय ध्यान दे तो कुछ यादगार सौगात ग्रेटर नगर निगम को देकर जा सकते हैं।

एक मंज़िल अवैध छत की क़ीमत एक लाख!

आओ... अवैध निर्माण की मौन स्वीकृति ले जाओ!

हिलव्यू समाचार

जयपुर। आदर्शनगर नगर निगम हेरिटेज में लगातार बढ़ते अतिक्रमण और अवैध निर्माण आम जनता की निग़ाहों से कैसे छिप सकते हैं?लगातार बढ़ते अतिक्रमण और अवैध निर्माण इस बात के परिचायक हैं कि आदर्शनगर नगर निगम हेरिटेज की मिलीभगत के बिना कुछ भी सम्भव नहीं। निर्माण शाखा को क्या यह अवैध भवन सील बन्द नहीं करने चाहिए? मेघराज मीणा उपायुक्त आदर्शनगर जोन अपने एरिया में कितना दौरे पर जाते हैं यह सर्वविदित है क्योंकि जाने की आवश्यकता नहीं पूरी एक टीम काम करती है जो चिन्हित करती है अवैध निर्माण और जहाँ से पूर्ति हो जाती है वह अवैध निर्माण आँखों से ही नहीं फाइल से भी ओझल हो जाता है।

आख़िर कब रुकेंगे यह अवैध निर्माण और अतिक्रमण?

आम जनता के हितों की रक्षार्थ बैठे ये अधिकारी आम जनता से तो मिलते ही नहीं हैं। मिलते हैं तो बस ख़ास लोगों से जिनसे इनका मन और मनी दोनों का काम पूरा होता है।

पिछले एक माह से डीएलबी के सील खोलने आदेश की अवमानना क्यों कर रहे हैं आदर्शनगर उपायुक्त मेघराज मीणा?

नगर निगम हेरिटेज के आदर्शनगर जोन में अनेक अतिक्रमण और अवैध निर्माण तेज़ी से हो रहे हैं । आप आदर्शनगर के किसी भी गली या मुख्यमार्ग चले जाइये आपको सर उठाते अवैध निर्माण दिख जाएंगे पर कमज़ोर और निरीह वर्ग पर जोन उपायुक्त का कहर बरसा हुआ है। उदासीन और अक्खड़ प्रवृति के मेघराज मीणा उपायुक्त आदर्शनगर जोन अपने क्षेत्र के लाचार और कमज़ोर वर्ग को तो गाँठते ही नहीं लेकिन सक्षम और प्रभावशाली तबका उनकी छत्रछाया में लगातार अवैध निर्माण और अतिक्रमण कर सकता है।

इसका सशक्त उदाहरण है कि वार्ड 95 में हाउसिंग बोर्ड के मकानों में जहाँ एक ओर दबदबे वाले लोगों ने बाहरी कमरे पर पक्की छत डाल ली,सीढियाँ निकाल लीं वहीं दूसरी ओर एक व्यक्ति ने पानी की टँकी रखने के लिए अस्थाई पट्टियाँ (कातलें) रख लीं उसे सील करने आदर्शनगर जोन का जाब्ता पहुँच गया। मकान मालिक ने डीएलबी से गुहार लगाकर सील खुलवाने के आदेश जारी करवा दिए लेकिन उपायुक्त मेघराज मीणा किस मंशा के तहत उस लाचार आदमी को लगातार चक्कर लगवा रहे हैं।

आख़िर क्यों उस आम आदमी को प्रताड़ित किया जा रहा है? क्या वह इनकी माँग पूरी करने में सक्षम नहीं इसीलिए ?

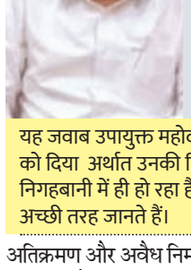

आख़िर आदर्शनगर मुख्य मार्गों पर बनती यह अवैध बिल्डिंग्स आदर्शनगर उपायुक्त मेघराज मीणा और उनकी निर्माण शाखा को नज़र क्यों नहीं आ रहीं?

मेघराज मीणा उपायुक्त,आदर्शनगर नगर निगम जोन

मेरे से पहले भी उपायुक्त आये हैं मेरे बाद भी आयेंगे ये तो यूँही चलेगा सब! सारे शहर के अतिक्रमण दिखाई नहीं देते आपको?

यह जवाब उपायुक्त महोदय ने अपने चहेते लोगों के बीच हिलव्यू टीम को दिया अर्थात उनकी निग़ाह में जो हो रहा है सब ठीक है और उनकी निगहबानी में ही हो रहा है वैसे वे किस तरह इस ज़ोन में आये हैं सब अच्छी तरह जानते हैं।

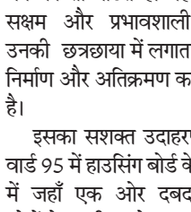

आदर्श नगर विधायक रफ़ीक ख़ान का आशीर्वाद उपायुक्त आदर्शनगर नगर निगम हेरिटेज मेघराज मीणा को प्राप्त है अत: दबंगता और मनमानी करना मीणा की पहचान बन गई है।

जवाहरनगर शिव मंदिर के पास हो रहा अवैध निर्माण।

आदर्शनगर नगरनिगम हेरिटेज से कुछ क़दम की दूरी पर अवैध निर्माण पूर्ण और दुकानों का संचालन शुरू

सिंधी कॉलोनी,जैन अस्पताल के पास,शांतिपथ पर बिल्डिंग बायलॉज को धता बताकर अवैध निर्माण पूर्ण और दुकानें संचालित व लोगों का रहना भी शुरू

सिंधी कॉलोनी वार्ड 94 के मुख्य मार्ग पर सीना ताने खड़ी अवैध बिल्डिंग जो आदर्शनगर जोन के भ्रष्टाचार की खुली किताब है

वार्ड 94 आवासीय में व्यसायिक निर्माण आदर्श नगर जोन की मिलीभगत पर।

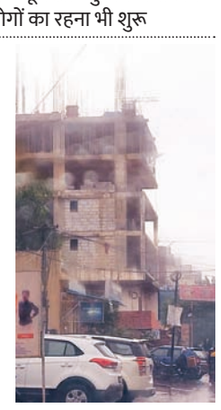

मुख्य मार्ग वार्ड नं. 94 पर मन्ज़िल दर मंज़िल चढ़ती अवैध बिल्डिंग निर्माण शाखा और डीसी मेघराज मीणा की नज़र से ओझल क्यों?

स्वदेशी क्षमताओं का प्रमाण आईएनएस विक्रांत

सम्पादकीय

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गत दिवस स्वदेश निर्मित भारत के पहले विमानवाहक पोत आइएनएस विक्रांत को कोचीन शिपयार्ड में देश सेवा के लिए समर्पित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि केरल के समुद्री तट पर पूरा भारत एक नए भविष्य के सूर्योदय का साक्षी बन रहा है। यह विश्व क्षितिज पर भारत के बुलंद होते हौसलों की हुंकार है। यह पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत ही नहीं, बल्कि समंदर पर तैरता हुआ एक किला है। इसका डिजाइन और निर्माण सब कुछ भारत में ही किया गया है। इसमें जितनी बिजली पैदा होगी, उससे 5000 घरों को रोशन किया जा सकता है। इसका फ्लाइंग डेक भी फुटबाल के दो मैदानों से बड़ा है। 1971 की लड़ाई में अपनी शानदार भूमिका निभाने वाले विक्रांत का यह नया अवतार अमृत-काल की उपलब्धि के साथ-साथ हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और बहादुर सैनिकों को भी एक विनम्र श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर भारतीय नौसेना ने अपनी सभी शाखाओं को महिलाओं के लिए खोलने का निर्णय भी लिया है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने भारतीय नौसेना को नया ध्वज भी प्रदान किया। अब छत्रपति शिवाजी से प्रेरित नौसेना का नया ध्वज समुद्र में लहराएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय नौसेना के नए निशान का भी अनावरण किया। अब गुलामी के प्रतीक लाल क्रास को हटा दिया गया है। ध्वज में ऊपर बाईं तरफ तिरंगा बना हुआ है और बगल में नीले रंग के बैकग्राउंड पर गोल्डन कलर में अशोक चिह्न बना हुआ है, जिसके नीचे सत्यमेव जयते लिखा हुआ है। स्वदेशी विमानवाहक पोत का निर्माण आत्मनिर्भर भारत अभियान की एक खास मिसाल है। इस तरह इसने नौसैन्य बल का एक नया समुद्री इतिहास रच दिया गया है।

हिंद महासागर में चीन की गतिविधियों को मिलेगा भारतीय नौसेना से क़रारा जवाब

इस उपलब्धि के बाद भारतीय नौसेना दुनिया की शीर्ष तीन नौसेनाओं में से एक बन गई है।

आइएनएस विक्रांत के निर्माण की शुरुआत 28 फरवरी 2009 को कोच्चि के कोचीन शिपयार्ड में की गई। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद इसे 12 अगस्त 2013 को लांच किया गया। दिसंबर 2020 में इसका बेसिन ट्रायल किया गया, जिसमें यह पूरी तरह खरा उतरा। सामुद्रिक परीक्षणों के लिए इसे 4 अगस्त 2021 को समुद्र की लहरों पर उतारा गया, जो इसके परीक्षण का पहला चरण था। परीक्षण का दूसरा चरण अक्टूबर 2021 और तीसरा चरण 22 जनवरी 2022 को पूरा हुआ। इसका अंतिम और चौथा समुद्री परीक्षण मई 2022 में शुरू किया गया, जो 10 जुलाई 2022 को पूरा हुआ। चौथे परीक्षण में समुद्र के करीब और दूरी पर रक्षा संबंधी उपकरणों के साथ इसकी रणनीतिक क्षमता को नौसेना द्वारा व्यापक रुप से जांचा-परखा गया। परीक्षणों में यह भी देखा गया कि यह पोत कितना ताकतवर, टिकाऊ और भरोसेमंद है। इसके अलावा इसकी मारक क्षमता भी देखी गई। इन परीक्षणों ने यह सिद्ध कर दिया कि इसके नौसेना में शामिल होने के बाद देश की रक्षा शक्ति में अभूतपूर्व क्षमता जुड़ जाएगी और समुद्री क्षेत्र में भारत के हितों को सुरक्षित करने में मदद मिलेगी।

आइएनएस विक्रांत भारत का पहला स्टेट आफ द आर्ट विमानवाहक पोत है। इस युद्धपोत को बनाने में करीब 23,000 करोड़ रुपये की लागत आई है। इसके कांबैट मैनेजमेंट सिस्टम को टाटा पावर स्ट्रैटेजिक इंजीनियर डिवीजन ने रूस की वीपन एंड इलेक्ट्रानिक्स सिस्टम इंजीनियरिंग और मार्स के साथ मिलकर बनाया है। इसे बनाने में कोचीन शिपयार्ड के साथ-साथ 500 से अधिक भारतीय कंपनियों ने मदद की है। इसके अलावा इसके निर्माण में करीब सौ एमएसएमई कंपनियां भी शामिल थीं। इस युद्धपोत के अलग-अलग हिस्सों को अलग-अलग कंपनियों ने बनाया है। यह मेक इन इंडिया का एक बेहतरीन उदाहरण है। इस पर तैनात होने वाले लड़ाकू विमानों को लेकर भी काफी चिंतन और मनन किया गया। पहले इस पर हल्के तेजस लड़ाकू विमानों को तैनात किए जाने की बात हुई, परंतु इसमें कुछ समस्याएं आईं तो रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ ने एक प्लान बनाकर हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड को दिया, जिसके तहत अब वह ट्विन इंजन डेक बेस्ड फाइटर विकसित कर रहा है। तब तक के लिए इस पर मिग-29के श्रेणी वाले लड़ाकू विमानों को तैनात किया जाएगा।

इस विमानवाहक पोत की फ्लाइट डेक करीब 1.10 लाख वर्ग फुट की है, जिस पर बड़ी संख्या में लड़ाकू विमान आराम से टेक आफ और लैंडिंग कर सकते हैं। इस पर एक बार में 36 से लेकर 40 की संख्या में लड़ाकू विमान तैनात किए जा सकते हैं। इस विमानवाहक पोत की स्ट्राइक फोर्स की रेंज 1,500 किमी तक की है। इस पर जमीन से हवा में मार करने में सक्षम 64 बराक मिसाइलें लगी होंगी। आइएनएस विक्रांत में जनरल इलेक्ट्रिक के ताकतवर टरबाइन लगे हैं, जो इसे 1.10 लाख हार्स पावर की ताकत देंगे। इस तरह यह काफी शक्तिशाली विमानवाहक पोत है। इस युद्धपोत को सर्वश्रेष्ठ आटोमेटेड मशीनों, आपरेशन, शिप नेविगेशन एवं सुरक्षा प्रणालियों से लैस किया गया है। इसकी लंबाई 860 फुट, गहराई 84 फुट ओर चौड़ाई 203 फुट है। इस पोत का कुल क्षेत्रफल 2.5 एकड़ का है। यह 52 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से समुद्र की लहरों को चीरता हुआ तेजी से आगे बढ़ने की क्षमता रखता है। यह एक बार में 15,000 किमी की यात्रा कर सकता है। इसमें एक बार में 196 नौसेना अधिकारी, 1149 सेलर्स और एयरक्रू तैनात रह सकते हैं। इन खूबियों वाला यह पोत हिंद महासागर में चीन की बढ़ती गतिविधियों के मद्देनजर भारतीय नौसेना की ताकत काफी बढ़ा देगा।

पहचानिए अपनी हैप्पीनेस

हैप्पीनेस एक ऐसी स्थिति है जो आपको उस एक खास पल में अंदर से प्रसन्न बना देती है. कई बार यह खास पल हमारे डेली रूटीन में ही छिपा होता है, बस इसके लिए जरूरी होता है आपके अंदर परिस्थिति की समझ होना. सुख चाहे देने का हो, दोस्त से मिलने का या फिर अकेले में शीशा देखकर मुस्कुराने का, यह खुद को खुशी से सराबोर कर देने का अवसर है.

इस तरह समझें

बारिश के बाद की धूप कई बार परेशान करती है, लेकिन इस बीच स्कूल से लौटे बच्चों का चेहरा देखकर मिलने वाली खुशी का अहसास एक मां ही कर सकती है. खास बात यह कि उस मां को उस समय न तो वह धूप चुभती है और न ही जीवन की भागदौड़ में चल रही समस्या का ध्यान ही रह पाता है.

बदलता ट्रेंड

अब जबकि कई रिपोर्ट्स में यह बात सामने आ चुकी है और व्यावहारिक तौर पर भी स्पष्ट है कि एक स्मार्टफोन यूजर दिन के औसतन 5 से 6 घंटे सोशल मीडिया पर बिता रहा है तो उसके लिए हैप्पीनेस के मायने भी बदल गए हैं. वास्तव में, देखा जाए तो बात चाहे एक सेल्फी लेने की हो या अपनी सोशल मीडिया पोस्ट पर आए लाइक्स को देखने की, प्रसन्नता या आत्म-संतुष्टि के लिए अब ट्रेंड बदल गया है. हालांकि ऐसा नहीं है कि अब सहायता करने, परोपकार की भावना, करुणा जैसे दूसरे तरीके निष्प्रभावी हो गए हैं, बल्कि इसमें सोशल मीडिया और वर्चुअल वर्ल्ड भी शामिल हो गया है.

अलग से नहीं ज़रूरत

लोगों में यह भ्रम होता है कि उन्हें हैप्पीनेस के लिए अलग से समय निकालना होगा, लेकिन ऐसा नहीं है. आप चाहे जो काम करें, इस बीच कुछ समय निकालकर खुद के लिए तय करना ही स्व-प्रसन्नता है. इससे आपके जीवन की गुणवत्ता तो बेहतर होगी ही, साथ ही आपकी काम करने की क्षमता में भी वृद्धि होगी. इसके अलावा हैप्पीनेस जीवन के बहुत-से घटकों में आपको बेहतर अनुभव की ओर प्रेरित करती है.

हैप्पीनेस को जीवन में शामिल करने के लिए कुछ प्रभावी तरीके अपनाए जा सकते हैं जैसे

- भागदौड़ भरे जीवन में एक सेल्फी भी खुशी की वजह बन सकती है.
- आय के स्रोत बढ़ाने की जद्दोजहद के बीच अपने पसंदीदा गीत सुनते रहें.
- लोन चुकाने की आपाधापी में खुद पर कोई वीडियो फिल्माना या खुद के साथ किसी हीरो की तरह डील करना न भूलें.
- सोशल पोफाइल पर की गई पोस्ट पर कितने लाइक्स आए, काम के बीच में देख सकते हैं.
- बच्चों की स्कूल फीस का जुगाड़ करते समय उनकी स्कूल एक्टिविटी के लिए घर पर उनके साथ पार्टिसिपेट करना न छोड़ें.
- सुबह की सैर पर निकलते हुए चिड़ियों की चहचहाहट सुनें और उनको दाना खिलाएं.
- पढ़ाई के माहौल के बीच बच्चों को भी ब्रेक दिलवाएं. उन्हें फिल्म भी दिखा सकते हैं.

तनाव के बीच 'खुशी की डोज'

भले ही काम का तनाव हो या भागदौड़ हो जीवन की, हैप्पीनेस एक ऐसी 'डोज' का काम करती है, जो खुशी-खुशी काम करने की भावना का संचार करती है. इससे अपने अंदर गुणों और मानवीय भावनाओं की भी वृद्धि होती है. व्यवहार विशेषज्ञों के अनुसार, हैप्पीनेस यानी प्रसन्नता ही वह माध्यम है, जिसके जरिए आप एक बेहतर जीवन की कल्पना कर सकते हैं. हालांकि इसके लिए आपको अपनी दिनचर्या में कुछ खास बदलाव लाने होंगे, जैसे कि आप जिस स्थिति में हैं, उसे अपने लिए बेस्ट मानना व संतुष्ट रहना.

'देने का सुख' अव्वल

इसमें कोई संदेह नहीं कि 'देने का सुख' या परोपकार की भावना हमेशा से ही सुकून, आत्म-संतुष्टि, प्रसन्नता देने में अव्वल है. दरअसल, मानवीयता की बात की जाए तो करुणा ही वह गुण है जो हमें अन्य जीवों से खास और महत्त्वपूर्ण बनाता है. ऐसे में अंगदान, रक्तदान जैसे परोपकारी कार्यों के साथ ही लोग अब अनाथ आश्रमों, वृद्धाश्रमों में अपना जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ जैसे खास दिवस पर उत्सव मना रहे हैं. स्पष्ट है कि प्रसन्नता को कहीं खोजने की जरूरत नहीं है, यह हमारे मन में ही है. दूसरों की मदद करने से जो खुशी मिलती है, उसको व्यक्त करना मुश्किल है.

अपने अंदर डालें ऐसी आदतें

हमारी आदतें ही हमें जीवन में सफल और विफल बनाती हैं. पैसों के निवेश को लेकर भी यही बात लागू होती है. आज के समय में पैसों का निवेश आपकी स्मार्टनेस को दर्शाता है. गृहिणी हों या कामकाजी महिलाएं, पैसों के निवेश के बारे में आपको सोचना जरूर चाहिए, लेकिन उससे पहले आपको अपने अंदर कुछ आदतें बनानी होंगी ताकि अच्छी निवेशक बन सकें.

पैसों के निवेश में स्मार्टनेस

धैर्य रखना है ज़रूरी

जल्दबाजी में हमेशा खरीदारी से बचें. इसे पेशेंस परचेजिंग कहते हैं. जल्दबाजी में खरीदारी से कई बार आप गैरजरूरी चीजें भी खरीद लेती हैं. इससे आप अपने सेविंग गोल्स को पूरा नहीं कर पाएंगी. खरीदारी हमेशा धैर्य के साथ करें. निवेश करते समय भी धैर्य रखें, तभी सही जगह अपना पैसा लगा पाएंगी. सूचनाओं की अधिकता की वजह से कन्फ्यूजन होता है तो वित्तीय सलाहकार की मदद लें. परिवार में यदि कोई आर्थिक मामलों का अच्छा जानकार है तो मदद लेने से बिल्कुल हिचकिचाएं नहीं.

सोचें-समझें, तब फैसला करें

एक स्मार्ट निवेशक वही है, जो निवेश करने से पहले अच्छी तरह से सोच-समझकर फैसला करता है. अपनी निवेश नीति पर भरोसा करें. बाजार की उठापटक से डरें नहीं, सोच-समझकर फैसला लें अन्यथा रिस्क उठाना पड़ सकता है.

अपडेट रहें

एक अच्छा निवेशक बनने के लिए खुद को अपडेट करना बेहद जरूरी है. आपको पता होना चाहिए कि पैसे कहां निवेश किए हैं और बाजार में उठापटक से आपका पोर्टफोलियो कितना प्रभावित होगा. अगर आपके फाइनेंशियल प्लान पुराने हो गए हैं तो उन्हें आपको अपडेट करना चाहिए.

अगर आप कामकाजी हैं तो...

अगर आप कामकाजी है तो अपनी कुल आमदनी को 3 हिस्सों में बांटें.

- **जरूरी खर्च** : परिवार और आप पर होने वाले खर्चों को ध्यान में रखें. लोन किश्त, बिजली-पानी का बिल, ग्रोसरी आदि.
- **आकस्मिक खर्च** : बीमारी, त्योहार, शादी-उत्सव आदि.
- **बचत** : अपने मासिक वेतन का एक-तिहाई हिस्सा रखें.

फेस्टिव सीजन

ट्रेडिशनल में दिखें ग्रेसफुल

त्योहारों का सीजन शुरू हो चुका है. सारे त्योहार हमारे ट्रेडिशन से जुड़े हैं इसलिए पारंपरिक त्योहारों के दिनों में लोग पारंपरिक परिधान पहनना ही पसंद करते हैं. ज्यादातर महिलाएं ट्रेडिशनल व एथनिक आउटफिट्स पहनती हैं. हालांकि समय अब मॉडर्न हो गया है, इसलिए टीनएज-कॉलेज गोइंग लड़कियां पूरी तरह से पारंपरिक कपड़े पहनने की बजाय इंडो-वेस्टर्न का ट्विस्ट देकर कैरी करना पसंद करती हैं ताकि यह ट्रेडिशनल आउटफिट में भी यूनिक व स्टाइलिश दिखे.

त्योहारों के खास मौके पर ट्रेडिशनल चूज करें क्योंकि इस पहनावे में भी आपके पास ढेरों ऑप्शन्स हैं. सलवार सूट से लेकर साड़ी-लहंगे तक, कोई भी ड्रेस आप अपनी पसंद व कंफर्ट के हिसाब से चूज कर सकती हैं. कलर कॉम्बिनेशन की बात करें तो डार्क और ट्रेंडी कलर्स को फेस्टिव सीजन में ज्यादा प्रेफरेंस दी जा रही है. आप मस्टर्ड, येलो, स्काई ब्लू, पन्ना ग्रीन, बैंगनी, डार्क मैजेंटा जैसे कलर का चुनाव कर सकती हैं.

साड़ी या लहंगा

बहुत सी महिलाएं त्योहारों के दिन साड़ी पहनना पसंद करती हैं. अगर आप साड़ी में कंफर्टेबल महसूस करती हैं तो साड़ी का चयन करें क्योंकि साड़ी की ग्रेस सबसे हटके होती है. आरामदायक रहना चाहती हैं तो हल्के-फुल्के बॉर्डर वाली साड़ी स्टाइलिश से ब्लाउज के साथ पहनें और साथ ही मैचिंग ज्वेलरी भी. साड़ी की जगह लहंगा-चोली भी ट्राई की जा सकती है लेकिन ज्यादा हैवी लहंगे वियर करने से बचें.

शरारा-गरारा सूट

स्कूल या कॉलेज गोइंग हैं तो आप शॉर्ट स्टाइलिश स्पैगेटी कुर्ती के साथ शरारा या गरारा सूट ट्राई कर सकती हैं. वैसे तो आपको बाजार में रेडीमेड सूट की अच्छी-खासी वैराइटी आपको आसानी से मिल जाएगी, नहीं तो आप सिल्क या किसी अन्य फैब्रिक में इसे खुद की पसंद के हिसाब से भी स्टिच करवा सकती हैं. गर्लिश लुक चाहती हैं तो हेयरस्टाइल हल्का-फुल्का रखें और हैवी ईयररिंग्स पहनकर लुक को कंप्लीट करें. अगर मैरिड हैं तो आप गजरा लगाकर हेयरस्टाइल कर सकती हैं.

कुर्ती के साथ प्लाजो या स्कर्ट

कुर्ती के साथ प्लाजो इस समय लड़कियों की पहली पसंद बने हुए हैं. प्लाजो पहनने में काफी कंफर्टेबल होते हैं. हाल ही में करीना कपूर ने स्काई ब्लू प्लाजो सूट ट्राई किया था. यह कलर उन पर खूब फब भी रहा था. एथनिक पहनावे के साथ उन्होंने देसी स्टाइल पंजाबी जूती पहनी थी. अपने मनपसंद रंग में आप भी कुछ ऐसी ड्रेस चूज कर सकती हैं. प्लाजो की जगह आप लॉन्ग स्कर्ट को भी ऑप्शन में रख सकती हैं जो आपकी लुक को इंडो वेस्टर्न टच देगा.

जींस या स्कर्ट के साथ टॉप व कुर्ती

टीनएज व कॉलेज में पढ़ने वाली लड़कियां अक्सर कुछ हटके ट्राई करना चाहती हैं ताकि वह न तो एकदम देसी दिखें, न ही एकदम मॉडर्न. ऐसे में इंडो-वेस्टर्न ड्रेसेज ही बेस्ट रहती है. आप जींस के साथ फ्रॉक स्टाइल कुर्ती, लखनवी कुर्ती या कोई ट्रेडिशनल टच देने वाला क्रॉप टॉप ट्राई कर सकती हैं.

नारियल के विकास को मिलेगा बढ़ावा

हर साल 2 सितंबर को विश्व नारियल दिवस मनाया जाता है. 2 सितंबर 2009 से एशिया पैसिफिक कोकोनट कम्युनिटी(APCC)के गठन दिवस के उपलक्ष्य में इस दिन को मनाया जाता है. APCC द्वारा स्थापित किए गए गठन का उद्देश्य है अधिक से अधिक आर्थिक विकास को प्राप्त करना और नारियल से जुड़े विकास गतिविधियों को बढ़ावा देना, नारियल के प्रति जागरूकता और महत्व का प्रसार करना है. वर्तमान में 18 देशों के सदस्य एक अंतर-सरकारी संगठन के रूप में काम कर रहे हैं, जिसमें भारत भी इसका सदस्य है. एशिया पैसिफिक कोकोनट कम्युनिटी का मुख्यालय इंडोनेशिया के जकार्ता में है.

कोकोनट में मौजूद प्रमुख पोषक तत्व

मैंगनीज 52.17%, कॉपर 38.67 %, आयरन 24.20 %, फाइबर 18.80 %, जिंक 8 %, वेलिन 7.60 %, कार्बोहाइड्रेट - 9.37 % मौजूद है.

✶ फायदे ✶

✤ **चेहरे की चमक बढ़ाए** - नारियल में मौजूद पोषक तत्वों से चेहरे का ग्लो बढ़ता है. 1 महीने बाद घर में किसी प्रकार का इवेंट या कोई प्रोग्राम है तो सप्ताह में 5 दिन जरूर नारियल पानी पिएं. इससे आपके चेहरे का ग्लो ऑटोमैटिक बढ़ेगा.

✤ **डिहाइड्रेशन** - जब शरीर में पानी की कमी हो जाती है तो नारियल पानी पीने की सलाह दी जाती है. नारियल पानी से पानी की कमी तेजी से पूरी होती है. इसका सेवन करने से शरीर में ग्लूकोज का स्तर सामान्य हो जाता है, जिससे शरीर हाइड्रेट रहता है. पाचन क्रिया भी अच्छी रहती है.

✤ **हाई ब्लड प्रेशर** - अगर आप हाई बीपी के मरीज हैं तो नारियल पानी को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें. दरअसल, नारियल पानी में मौजूद विटामिन-सी, मैग्नीशियम और पोटेशियम कंट्रोल करने में मदद करता है.

✤ **वजन कम करे** - भोजन करने से पहले नारियल पानी का सेवन करना चाहिए. इससे आपको अधिक भूख नहीं लगेगी. पेट भरा हुआ रहने के कारण आपके खाने की डाइट में अंतर आ जाएगा. नियमित रूप से फॉलो करने पर एक महीने में ही वजन कम हो सकता है.

✤ **दिखें जवां** - अगर समय से पहले आप बूढ़े दिख रहे हो तो नारियल पानी का सेवन जरूर करें. इसमें मौजूद साइटोकिनन कोशिकाओं को जवां रखेगा और चेहरे पर आ रही असमय झुर्रियां और फाइन लाइंस को भी ठीक करने में मदद मिलेगी.

आर्ट पीसेज से घर में अलग रौनक

घर को सुंदर-सजीला बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले आर्ट पीसेज अरेंज करते समय किन बातों पर ध्यान देना चाहिए जिससे घर की खूबसूरती में चार चांद लग जाए. कीमती से कीमती आर्ट पीसेज भी अगर सही जगह और सही ढंग से न लगे हों तो मेहमानों का ध्यान अपनी ओर नहीं खींचते. इसलिए इन्हें अरेंज करते समय इन बातों पर जरूर गौर करें.

✤ सबसे पहले अनुमान लगाएं कि घर की किन दीवारों पर आर्ट पीसेज सबसे अच्छे लगेंगे. अब जिस आर्ट पीस को जिस दीवार पर लगाना चाहती हैं, उसे दीवार के पास रख दें.

✤ अगर किसी दीवार पर दो-तीन आर्ट पीसेज एक साथ लगाना चाहती हैं तो पहले एक बड़े चार्ट पेपर पर उन्हें अरेंज करें, जिससे यह अंदाजा हो जाए कि आर्ट पीसेज लगने के बाद किस तरह का विजुअल उभरेगा.

क्विक टिप्स

✤ दो आर्ट पीसेज के बीच की दूरी नापने के लिए हथेली या अंगुलियों का इस्तेमाल करें. इससे नाप नहीं गड़बड़ाता.

✤ अगर सिर्फ एक ही आर्ट पीस लगाने की सोच रही हैं तो उसे दीवार के बीचोंबीच लगाएं.

✤ सभी आर्ट पीसेज को सीधे दीवार पर लगाना जरूरी नहीं होता. आप चाहें तो आर्ट पीसेज को दीवार पर एक सुंदर-सी शेल्फ में भी अरेंज कर सकती हैं. इससे समय-समय पर उन्हें री-अरेंज करने की सुविधा भी रहती है.

✤ वैराइटी एड करें. मतलब अलग-अलग तरह के फ्रेम्स वाले आर्ट पीसेज से अपना घर डेकोरेट करें. मैट, शाइनी, मेटेलिक, वुडन, मिरर जैसे फ्रेम्स दीवार ही नहीं घर की खूबसूरती को भी बढ़ाने का काम करते हैं.

✤ कोई आर्ट पीस बहुत ज्यादा पसंद आ गया तो उसे तुरंत खरीद न लें. अपने घर के साइज के हिसाब से ही पेंटिंग चुनें.

✤ किस तरह के आर्ट पीसेज घर के हिसाब से बेहतर रहेंगे, समझ नहीं आ रहा तो अपने पसंद के कलर्स, फोटोग्राफ्स और थॉट्स वाले आर्ट पीसेज से दीवार को सजाने की शुरुआत कर सकते हैं

एक नज़र

राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल का गठन, अरोड़ा को बनाया पहला चेयरमैन

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश के उद्योगों के निर्यात संबंधी विषयों की मॉनिटरिंग व उनसे संबंधित परेशानियों को दूर करने के लिए राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल का गठन किया गया। राजसिको चेयरमैन श्री राजीव अरोड़ा को काउंसिल का पहला निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया।

अरोड़ा ने काउंसिल की पहली बैठक में सभी डायरेक्टर्स की उपस्थिति में कहा कि काउंसिल का मूल उद्देश्य प्रदेश में निर्यात को बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की सहज औद्योगिक नीतियों के चलते पिछले 4 वर्षों में निर्यात में लगभग 37% की ग्रोथ देखी गई है व निर्यात में क्वांटम जंप आया है। उन्होंने कहा कि काउंसिल में अधिक से अधिक सदस्यों को जोड़ना प्रथम लक्ष्य है ताकि छोटे से छोटे उत्पादक से बड़े से बड़े निर्यातक को इसका लाभ मिल सके। अरोड़ा ने बताया कि काउंसिल के जरिए निर्यातकों को हर परेशानी को दूर किया जाएगा। उन्होंने सभी प्रकार के मामलों को काउंसिल अपने स्तर पर हैंडल करेगी और जो भी कंपनी उससे प्रभावित होगी उनसे बात कर मामलों का निस्तारण करेगी। उन्होंने कहा कि काउंसिल की मंशा राज्य की सभी उद्योगों के उत्पाद का एक्सपोर्ट के लिए प्रमोशन करना है ताकि कोई भी क्षेत्र अधूरा नहीं रह जाए।

राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल में श्री राजीव अरोड़ा को निर्विरोध चेयरमैन निर्वाचित किया गया। वहीं महावीर प्रताप शर्मा को वाइस चेयरमैन व अनिल कुमार बख्शी, संजीव अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, रवि पोद्दार और श्री एसएन मोदानी को निदेशक बनाया गया। काउंसिल में 21 संस्थापक सदस्य सात निदेशक एक वाइस चेयरमैन व एक चेयरमैन चुने गए हैं।

उद्योग आयुक्त श्री महेंद्र कुमार पारख ने कहा कि राज्य में औद्योगिक एवं निर्यात विकास के लिए काउंसिल का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि काउंसिल में हैंडीक्राफ्ट, जेम्स एंड ज्वेलरी, टेक्सटाइल, एग्रो प्रोडक्ट और इंजीनियरिंग के उत्पादों को शुरुआती दौर में बढ़ावा दिया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी और निदेशक श्री पीआर शर्मा काउंसिल के सदस्यगण व विभाग के अधिकारी कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

MLA इंद्राज की चेतावनी... पायलट विरोधी गुर्जर विधायकों को हराएंगे

हिलव्यू समाचार

जयपुर/टोंक। कांग्रेस में खेमेबंदी की लड़ाई लगाताार बढ़ती ही जा रही है। विराटनगर (जयपुर) से कांग्रेस विधायक इंद्राज सिंह गुर्जर ने निवाई (टोंक) में हुए एक सामाजिक कार्यक्रम में सचिन पायलट का साथ नहीं देने वाले गुर्जर समाज के विधायकों को सबक सिखाने (चुनाव में हराने) की चेतावनी दे डाली है। उन्होंने उन्हें 'गद्दार' तक कह दिया। इंद्राज ने सचिन पायलट खेमे की बगावत के समय साथ नहीं देने वाले गुर्जर विधायकों का जिक्र करते हुए कहा- जिस संकट में हम लड़े उस संकट में मैंने और खटाणा साहब ने मिलकर काम किया। भगवान देवनारायण का आशीर्वाद आपके साथ है। जब भी आगे चुनाव आएंगे तो उन लोगों से बात करेंगे, जिन्होंने समाज से 'गद्दारी' की।

समाज के नाम पर वोट लेने वाले समाज को देने की बारी आने पर भागे विधायक इंद्राज ने कहा- लोग समाज से वोट लेते हैं, समाज के नाम पर वोट देते हैं लेकिन जब समाज को देने की बारी आती है तो लोग भाग जाते हैं। गुर्जर समाज भगवान देवनारायण के बाद किसी को पूजता है तो वे राजेश पायलट हैं।

गुर्जर समाज को राजेश पायलट साहब ने राजनीतिक पहचान दी। कश्मीर से कन्याकुमारी तक चर्चा उनकी वजह से ही होती है। राजेश पायलट के पद चिन्हों पर ही सचिन पायलट चल रहे हैं। सचिन पायलट वह हीरा हैं, जो मुश्किल से मिलता है।

महंगाई के ख़िलाफ़ कांग्रेस का हल्ला बोल: राहुल बोले...

लोगों में महंगाई और बेरोज़गारी का डर, यही नफ़रत में बदलकर देश को कमज़ोर बना रहा

हिलव्यू समाचार

जयपुर/नई दिल्ली। देश में बढ़ती महंगाई के खिलाफ कांग्रेस पार्टी आज हल्ला बोल रैली कर रही है। राहुल गांधी समेत कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता रामलीला मैदान में मौजूद हैं। रैली में राहुल ने कहा- नफरत डर का एक रूप है। जिसको डर होता है, उसी के दिल में नफरत पैदा होती है। जो डरता नहीं है, उसके दिल में नफरत पैदा नहीं होती है। हिंदुस्तान में नफरत बढ़ रही है, उसी बात को दूसरे तरीके से कहना है कि हिंदुस्तान में डर बढ़ता जा रहा है। भविष्य का डर, महंगाई का डर, बेरोजगारी का डर.. ये बढ़ता जा रहा है। इसके कारण हिंदुस्तान में नफरत बढ़ती जा रही है। राहुल ने कहा कि नफरत से लोग बंटते हैं, देश बंटता है और कमजोर होता है। भाजपा और संघ के नेता देश को बांटते हैं और जानबूझकर देश में भय पैदा करते हैं। लोगों को डराते हैं और नफरत पैदा करते हैं। सवाल उठता है कि किसके लिए करते हैं और क्यों करते हैं। इस नफरत का फायदा किसको मिल रहा है। क्या इसका फायदा हिंदुस्तान के गरीब लोगों को मिल रहा है? मजदूर और छोटे दुकानदार को मोदीजी की सरकार ने क्या फायदा दिया? पूरा का पूरा फायदा, डर-नफरत का फायदा हिंदुस्तान के दो उद्योगपति उठा रहे हैं।

कांग्रेस में आना-जाना आसान, टिकना मुश्किल

रैली में बोलते हुए कांग्रेस नेता और लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता अधीर रंजन ने कहा, 'आज महंगाई का ये हालत है कि बाजार में खरीदारी करने जाओ तो जेब के सारे पैसे खत्म हो जाते हैं, लेकिन थैला खाली रह जाता है।' उन्होंने हाल ही में पार्टी से अलग हुए गुलाम नबी आजाद पर भी तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस में आना बहुत आसान है, जाना और भी आसान है। लेकिन इसमें टिके रहना बहुत मुश्किल है। लोग दो कदम साथ चलते हैं, फिर रास्ते बदल लेते हैं।

केंद्र सरकार पर जमकर बरसे अशोक गहलोत, बोले- फासिस्ट सरकार

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि यह सरकार संवैधानिक मूल्यों को खत्म करने में लगी है। अशोक गहलोत ने कहा कि देश में संविधान की धज्जियां उड़ रही हैं। नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार करते थे काला धन लेकर आऊंगा, महंगाई खत्म करूंगा, 2 करोड़ रोजगार दूंगा लेकिन अब क्या ही कहा जाए। अशोक गहलोत ने कहा कि ये लोग धर्म के नाम पर राजनीति कर रहे हैं। ईडी, सीबीआई और आईटी का दुरुपयोग कर रहे हैं। देश में इन लोगों ने आतंक मचा रखा है। लेकिन अंतिम जीत सत्य की होगी।

राहुल के भाषण की प्रमुख बातें...

मोदीजी ने नोटबंदी की क्या इससे गरीबों का फायदा हुआ? उन्होंने गरीबों की जेब से ही पैसा निकाला। गरीबों से कहा कि कालेधन के खिलाफ लड़ाई है। कुछ महीनों बाद आपने देखा कि आपकी जेब से निकाला गया लाखों करोड़ रुपए से इन्होंने देश के सबसे बड़े उद्योगपतियों का कर्जा माफ किया गया। किसान का कर्जा माफ नहीं करेंगे। किसानों के खिलाफ काले कानून लाएंगे। कहेंगे कि ये कानून उनके फायदे के लिए हैं। अगर किसान के फायदे के लिए हैं तो हिंदुस्तान में किसान क्यों इसके खिलाफ है। किसानों ने नरेंद्र मोदीजी को अपनी शक्ति दिखा दी। मोदीजी को जब किसानों की शक्ति दिखी तो उन्होंने कानून रद्द कर दिया। यही बात जीएसटी के साथ हुई। कांग्रेस दूसरी जीएसटी लाना चाहती थी। भाजपा ने जीएसटी को बदला। पांच अलग-अलग टैक्स और जबरदस्त चोट छोटे दुकानदारों को दी।

ब्यूरोक्रेसी में 'शक्ति' बढ़ी

प्रदेश में पहली बार, ब्यूरोक्रेसी की टॉप-3 अफसर महिलाएं होंगी, लगातार दूसरी महिला मुख्य सचिव भी मिल सकती है

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान के इतिहास में पहला मौका होगा जब ब्यूरोक्रेसी की टॉप-3 पोजिशन पर महिला आईएएस अफसर होंगी। मुख्य सचिव उषा शर्मा के अलावा दूसरे नंबर पर नीलकमल दरबारी व तीसरे पर वीनू गुप्ता होंगी। यह स्थिति बनेगी 30 सितंबर के बाद। इसी दिन सीनियर आईएएस रविशंकर श्रीवास्तव रिटायर हो जाएंगे। सुखद पहलू यह है कि जून 2023 में उषा शर्मा के रिटायरमेंट के बाद अगली सीएस भी महिला ही बन सकती हैं। यानी प्रदेश को तीसरी और लगातार दूसरी महिला सीएस मिलने की संभावनाएं हैं।

शर्मा के रिटायरमेंट के बाद सबसे वरिष्ठ आईएएस वीनू गुप्ता होंगी। दरबारी फरवरी 2023 में रिटायर होंगी। बता दें कि प्रदेश में 313 आईएएस का कैडर है। अभी 254 आईएएस में से 62 महिलाएं हैं। यानी 24% महिला अफसर।

उषा शर्मा, सीएस

1985 बैच। मूलतः यूपी की हैं। इसी साल 1 जनवरी को सीएस बनीं। 12 साल तक केंद्र में रही। ब्यूरोक्रेसी की मुखिया बनीं। जून 2023 में रिटायरमेंट।सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं व कानून-व्यवस्था की लगातार मॉनिटरिंग कर रही हैं।

नीलकमल दरबारी

1987 बैच। मूलतः यूपी की हैं। नेशनल अथॉरिटी केमिकल वेपंस कन्वेन्शन नई दिल्ली में चेयरपर्सन हैं। फरवरी 2023 में रिटायरमेंट हैं।

वीनू गुप्ता, एसीएस

1987 बैच। यूपी की हैं। शर्मा के सीएस बनते ही सचिवालय में वापसी। एसीएस उद्योग हैं। इन्वेस्टमेंट समिट का जिम्मा है। दिसंबर 2023 में रिटायर होंगी।

पायलट समर्थकों ने मंत्री को घेरा, जमकर नारेबाजी

हिलव्यू समाचार

दौसा। अब महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश के सामने दौसा में सचिन पायलट जिंदाबाद के नारे लगे। मंत्री शनिवार को दौसा के सिकराय में निहालपुरा-अचलपुरा गांव स्थित देवनारायण मंदिर पहुंची थीं। यहां मेले का समापन था। यह मंत्री ममता भूपेश का विधानसभा क्षेत्र है। युवकों ने मंत्री के सामने जमकर हूटिंग की। हालांकि कुछ लोग उन्हें रोकने की कोशिश करते भी दिखे। लेकिन वे नहीं माने। पायलट के समर्थन में जमकर नारेबाजी होती रही। देवनारायण मंदिर में आयोजित मेले के समापन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने भूपेश यहां पहुंची थीं।

यहां मंत्री ने जैसे ही माइक हाथ में लेकर भाषण देना शुरू किया, मंच सामने खड़े युवकों ने नारेबाजी शुरू कर दी। लगातार हूटिंग की। मंत्री ने अपना भाषण बदस्तूर जारी रखा और विकास कार्यों की घोषणाएं करने के बाद वे रवाना हो गईं। कार तक पहुंचने के दौरान भी युवकों ने उनके पीछे-पीछे चलते हुए सचिन पायलट जिंदाबाद के नारे लगाए।

भीड़ ज्यादा होने के कारण मंत्री को कार तक पहुंचने में परेशानी हुई तो वे मंदिर की ओर पैदल ही रवाना हो गईं। युवकों ने करीब 500 मीटर तक मंत्री का पीछा करते हुए नारेबाजी की। गुर्जर समाज के कुछ लोगों ने युवकों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन विफल रहे।

इसके बाद मंत्री वहां से बिना प्रतिक्रिया दिए रवाना हो गईं। ऐसे में पायलट समर्थकों द्वारा की गई नारेबाजी को मंत्री से उनकी नाराजगी व प्रदेश के सियासी घटनाक्रम से जोड़कर देखा जा रहा है। गुर्जर समाज द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मंत्री भूपेश के साथ देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष जोगिंदर अवाना भी शामिल हुए थे।

सोशल मीडिया पर घमासानः देवनारायण मंदिर पर कार्यक्रम में युवकों द्वारा मंत्री के सामने की गई हूटिंग को लेकर सोशल मीडिया पर भी घमासान छिड़ा हुआ है। मंत्री भूपेश के पक्ष में कई लोग लिख रहे हैं तो वहीं कई लोग प्रदेश में पिछले दिनों हुए सियासी घटनाक्रम के दौरान गहलोत गुट की बाड़ेबंदी में स्थानीय विधायक ममता भूपेश की भूमिका को गलत बताते हुए नारेबाजी का समर्थन करते देखे जा रहे हैं।

एनएमसी ने डॉक्टर्स को किया अमान्य, SMS ने रिटायर डॉक्टर को ही पद पर रखा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। नेशनल मेडिकल कमिशन (एनएमसी) ने एसएमएस के इमरजेंसी मेडिसिन में लगाए गए डॉक्टर्स पर सवाल उठाए हैं। एनएमसी ने पत्र में स्पष्ट किया है जिस क्वालिफिकेशन और एक्सपीरियंस के डॉक्टर्स होने चाहिए, वे नहीं हैं। साथ ही अतिरिक्त बेड पर पीजी स्टूडेंट्स की संख्या भी बढ़ाने के लिए कहा है। इसके अलावा क्वालीफाई (डिग्री और अनुभव) डॉक्टर्स के नहीं होने से इमरजेंसी में भी क्वालिटी ट्रीटमेंट नहीं मिल रहा।

एनएमसी के पत्र के बाद इमरजेंसी मेडिसिन विभाग के भविष्य पर सवाल खड़ा हो गया है। कारण, यहां तीन में से महज एक डॉक्टर ही रह जाएगा। ऐसे में व्यवस्था बनाए रखने के लिए अस्पताल प्रशासन तथा मेडिकल कॉलेज को नियमों के तहत डॉक्टर की नियुक्ति करनी पड़ेगी। फिलहाल, डॉ. राकेश जैन नोडल अफसर हैं। इधर, मेडिकल कॉलेज ने रिटायर हो चुके डॉक्टर को ही लगाया है।

इन्वेस्ट राजस्थान समिट- 2022

राजस्थान को सशक्त बनाने के लिए कमिटेड और डिलीवर्ड थीम के अनुरूप 10 लाख करोड़ से अधिक का निवेश

हिलव्यू समाचार

जयपुर। इन्वेस्ट राजस्थान समिट 2022 से पूर्व, कुल 10.44 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ, राजस्थान औद्योगीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने की ओर अग्रसर है। भूमि, संसाधनों, बुनियादी ढांचे और राज्य सरकार की नीतियों के फलस्वरूप राज्य में विभिन्न उद्योगों से निवेश प्रस्ताव आए हैं। अपने प्रमुख निवेश सम्मेलन, इन्वेस्ट राजस्थान समिट की थीम ''कमिटेड एवं डिलीवर्ड'' के अनुरूप राजस्थान अब इन निवेश प्रस्तावों को साकार करने के लिए तत्पर है।

उद्योग भवन में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में श्रीमती शकुंतला रावत, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री, राजस्थान सरकार ने कहा, ''इन्वेस्ट राजस्थान समिट'' 7 और 8 अक्टूबर, 2022 को जयपुर में आयोजित किया जाएगा। इस समिट में विभिन्न सेक्टर और उद्योगों से लगभग 3000 प्रतिनिधि

भाग लेंगे और पर्यटन, एनआरआर, एमएसएमई, एग्री बिजनेस, स्टार्ट-अप्स एवं फ्यूचर रेडी सेक्टर पर कॉन्क्लेव में भाग लेंगे। नये निवेश के साथ-साथ राज्य में रोजगार के अवसरों को सृजित करना तथा राज्य को औद्योगिक गन्तव्य के रूप में स्थापित करना ही इस समिट का प्रमुख उद्देश्य है।"

समिट में भाग लेने वाले गणमान्य व्यक्तियों में सी.के बिरला (सी.के बिरला ग्रुप), पुनीत चटवाल (इंण्डियन होटल्स कम्पनी), डॉ. प्रवीर सिन्हा (टाटा पावर कम्पनी लि.), कमल बाली (वोल्वो ग्रुप), अजय श्रीराम (डी.सी.एम श्रीराम), विक्रम किर्लोस्कर (टॉयोटा किर्लोस्कर), अनील अग्रवाल (वेदान्ता ग्रुप), बी. सन्थानम (सेन्ट गोबेन), संजीव पूरी (आई.टी.सी.) तथा ग्रैम मैक्डोनाल्ड (जे.सी.बी.) शामिल है।

प्रेस कांफ्रेंस में उपस्थित अन्य महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों एवं अधिकारियों में राजीव अरोड़ा अध्यक्ष राजसिको; श्रीमती वीनू गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग; महेंद्र पारीक, आयुक्त उद्योग; ओम कसेरा, आयुक्त बीआईपी; डॉ मनीषा अरोड़ा, अतिरिक्त आयुक्त बीआईपी शामिल थे।

''इन्वेस्ट राजस्थान समिट के बारे में आमजन के मध्य बड़े पैमाने पर जागरूकता उत्पन्न करने के लिए, राज्य सरकार 5 सितंबर से इन्वेस्ट राजस्थान क्विज आरम्भ करने जा रही है। सभी निवेश प्रस्तावों को धरातल पर लाने के लिए राज्य सरकार युद्ध स्तर पर कार्य कर रही है।'', श्रीमती वीनू गुप्ता, अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग, राजस्थान सरकार ने बताया।

परेशानी मुक्त स्वीकृति प्रदान करने के लिए, सरकार ने हाल ही में अवाड्डा पावर, ओ2 पावर एसजी पीटीई लिमिटेड, असाही इंडिया ग्लास लिमिटेड, ओकाया एनर्जी स्टोरेज, सेंट गोबेन ग्लास इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, वरुण बेवरेजेज, डायमेंशन प्रमोटर्स प्राइवेट लिमिटेड, विप्रो हाइड्रोलिक्स प्राइवेट लिमिटेड, आदि कम्पनियों के निवेश प्रस्तावों को स्वीकृति दी है। इन्वेस्ट राजस्थान समिट ने भारत और विदेशी निवेशकों के अतिरिक्त स्थानीय निवेशकों को भी आकर्षित किया है, जो राज्य में सभी के उद्योगों के लिए उपस्थित इकोसिस्टम को प्रदर्शित करता है। इन्वेस्ट राजस्थान समिट के तहत आयोजित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय इन्वेस्टर्स मीट के दौरान 4,192 एमओयू और एलओआई प्राप्त हुए हैं। जिन एमओयू/एलओआई पर हस्ताक्षर किए गए उनमें से अधिकांश खनन एवं खनिज, कृषि एवं कृषि-प्रसंस्करण, पर्यटन, कपड़ा, इंजीनियरिंग, रसायन एवं पेट्रोकेमिकल, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, लॉजिस्टिक्स, ऊर्जा एवं हस्तशिल्प सेक्टर से हैं। 4,192 एमओयू/एलओआई में से 40 फीसदी पहले ही लागू हो चुके हैं अथवा कार्यान्वयन के अग्रिम चरण में हैं।

खाटू में पदयात्रियों के लिए जल्द बनेगा अलग रास्ता

प्रभारी मंत्री रावत बोलीं, सीकर जिला कलेक्टर का तबादला सरकारी प्रक्रिया

कार्यालय संवाददाता

सीकर। खाटूश्याम घटना की जांच अभी जारी है। जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई होगी। यह बात सीकर की प्रभारी मंत्री शकुंतला रावत ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि कलेक्टर के तबादले को हादसे से न जोड़ा जाए। अधिकारी का तबादला होना सरकारी प्रक्रिया है।

सर्किट हाउस में मीडिया से रूबरू होते हुए उन्होंने कहा कि खाटू में पदयात्रियों के लिए अलग से रास्ता बनवाने के लिए प्रशासन से अनुमति लेकर जल्द DPR बनाई जाएगी। प्रभारी मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि खाटूश्याम में हुई घटना बेहद दुखद थी। व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए दौरा भी किया। सफाई व्यवस्था के लिए नगर पालिका ईओ को निर्देशित किया गया है। इसके साथ ही 2 से 3 दिन में टॉयलेट्स बनवाने के लिए अधिकारियों से जल्द अनुमति ली जाएगी।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि कई बार महिलाएं खाटूश्याम में दर्शन के लिए कतारों में खड़ी रहती है। ऐसे में टॉयलेट की समस्या के चलते उन्हें चक्कर भी आ जाते हैं। अधिकारियों से 24 घंटे में की गई प्रोग्रेस की जानकारी ली गई है। रावत ने कहा कि ग्रामीणों ने मांग की है कि रोड के बगल से एक रास्ता होना चाहिए।

महंगाई रैली की तैयारियों को लेकर बैठक: गहलोत ने वीसी के जरिए पदाधिकारियों से की चर्चा

राहुल रखेंगे मानसरोवर के नए कार्यालय की नींव

हिलव्यू समाचार

जयपुर। नए प्रदेश कांग्रेस कार्यालय को लेकर मानसरोवर में जमीन आवंटन के बाद अब पार्टी उसके शिलान्यास के लिए राहुल गांधी को आमंत्रित करने की तैयारी कर रही है। माना जा रहा है कि भारत जोड़ो यात्रा के दौरान प्रदेश में राहुल के दौरे के दौरान ही यह शिलान्यास करवाया जा सकता है। यह भवन इसी कार्यकाल में बनकर तैयार किया जाएगा, जो कि बेहद सुसज्जित और भव्य होगा और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से भवन का उद्घाटन कराया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रदेश प्रभारी अजय माकन की मौजूदगी में गुरुवार को हुई मीटिंग में दिल्ली में 4 सितंबर को होने वाली महंगाई विरोधी रैली को लेकर मंथन किया। तैयारियों को लेकर सीएम गहलोत ने भी शाम को कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ चर्चा की।

रैली को लेकर बनाया कंट्रोल रूम

प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा ने कहा कि रैली की तैयारियों के लिए प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर 24 घंटे कार्यरत कंट्रोल रूम की स्थापना कर दी गई है और तीन सितंबर को राजस्थान बॉर्डर पर भी कंट्रोल रूम स्थापित किया जाकर विभिन्न साधनों से रैली में भाग लेने आने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रूट, पार्किंग जैसी जानकारी दी जाएगी।

गहलोत बोले...संविधान की उड़ रही धज्जियां

सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि आज की बैठक महत्वपूर्ण है क्योंकि कांग्रेस के कार्यकर्ता हमेशा मजबूती के साथ चुनौतियों का सामना करते हैं। उन्होंने कहा कि आज देश में जो हालात है किसी से छुपे नहीं है, संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही है, लोकतंत्र खतरे में है तथा ध्रुवीकरण की राजनीति की जा रही है। उन्होंने कहा कि अपने राजनीतिक फायदे के लिए सत्ताधारी भाजपा देश के सबसे बड़े और पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस तथा कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर हमलावर है, देश की जनता जानती है कि राहुल गांधी देश के लिए कार्य करते हैं और अच्छे इंसान है। गहलोत ने कहा कि पीएम जनता की समस्याओं का निदान करने की बजाए काले कपड़ों में प्रदर्शन करने को लेकर भाषण देते हैं। रैली के माध्यम से देश की जनता को संदेश देना है कि कांग्रेस आमजनता के मुश्किल वक्त में उनके साथ खड़ी है और केंद्र सरकार तक आमजनता की तकलीफे पहुंचाने का कार्य कर रही है।

एक नज़र

राजसमंद संसदीय क्षेत्र को मिली दोहरी सौगात: सांसद दीयाकुमारी

हिलव्यू समाचार

राजसमंद। सांसद दीयाकुमारी ने पीएम मोदी, केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा केंद्रीय ग्रामीण और पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर राजसमंद संसदीय क्षेत्र की मेड़ता, डेगाना और ब्यावर विधानसभा क्षेत्र को बड़ी उपलब्धि प्राप्त हुई है।

सांसद दीयाकुमारी ने कहा कि वर्षों से बहुप्रतीक्षित पुष्कर से मेड़ता सिटी की 59 किमी लंबी रेलवे लाइन के सर्वे के लिए रेलवे मंत्रालय ने आदेश जारी किए हैं। पूर्ण विश्वास है कि सर्वे के बाद आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर इस रेलवे लाइन का कार्य प्रारंभ होगा और क्षेत्र के नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। राजसमंद संसदीय क्षेत्र के मेड़ता और डेगाना विधानसभा क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 31.05 किमी की 3 सड़कें स्वीकृत की गई है, जिनके निर्माण की लागत 20.89 करोड़ आएगी।

प्रदेश के 69 हजार स्कूलों में स्वच्छता पखवाड़ा शुरू

हिलव्यू समाचार

बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए प्रदेश की स्कूलों में स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश के 69 हजार से अधिक स्कूलों में विभिन्न गतिविधियां शुरू हो गई है। स्वच्छता पखवाड़े के पहले दिन स्कूलों में बच्चों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई। इसके बाद अब स्वच्छता जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता, हरित विद्यालय, सवच्छता सहभागिता, हाथ धुलाई, व्यक्तिगत स्वच्छता, विद्यालय स्वच्छता प्रदर्शनी, स्वच्छता कार्यवाही दिवस मनाए जाएंगे। इस दौरान बच्चों, शिक्षकों तथा समुदाय को विद्यालय व घर में स्वास्थ्यप्रद-स्वच्छ वातावरण विकसित करने के लिए प्रोत्साहित व प्रेरित किया जाएगा। स्कूलों में बड़े स्तर पर शौचालयों, कमरों खिड़कियों, पानी की टंकियों, झाड़ियों आदि की साफ-सफाई की जा रही है।

बाड़मेर: 10 देसी पिस्टल के साथ पकड़े 6 बदमाश

बाड़मेर (हिलव्यू समाचार)। समदड़ी थाना पुलिस ने व्यापारी के घर में दिनदहाड़े लूट के गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर समदड़ी थाना क्षेत्र के रहने वाले छह अन्य बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके पास से 10 अवैध देसी पिस्टल और आठ कारतूस बरामद किए हैं। आरोपी टैक्सी चालक, मजदूर, छात्र व प्राइवेट नौकरी करने वाले हैं। पकड़े गए बदमाशों से पुलिस हथियारों की खरीद-फरोख्त एवं सहयोगियों के संबंध में हर एंगल से पूछताछ कर रही है। बाड़मेर एसपी दीपक भार्गव ने बताया कि चेलाराम सरगरा पुत्र चंद्रा राम (23) निवासी चारणों का बाड़ा, रफीक खान पुत्र रहमत अली (21) निवासी महेश नगर, सुरेश पटेल उर्फ मुन्ना पुत्र मानाराम (20) निवासी गिराद का ढाणा, दशरथ मेघवाल पुत्र पोकर राम (25) निवासी करमा वास, दीपाराम पटेल पुत्र केवल राम (22) एवं नरेंद्र सिंह राजपूत पुत्र प्रेप सिंह (19) को गिरफ्तार किया है। इनमें रफीक के पास से दो पिस्टल-चार कारतूस, दशरथ मेघवाल के पास दो पिस्टल-एक कारतूस, चेलाराम के पास दो पिस्टल-एक कारतूस, सुरेश पटेल के पास दो पिस्टल-एक कारतूस, दीपाराम के पास एक पिस्टल-एक कारतूस एवं नरेंद्र सिंह के पास से एक पिस्टल बरामद की गई है।

कोटा: कैमिकल फैक्ट्री में आग, 30 लाख का नुकसान

हिलव्यू समाचार

कोटा। चंबल औद्योगिक क्षेत्र में गुरुवार की सुबह एक कैमिकल फैक्ट्री में आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि धुएं का गुबार दो किलोमीटर दूर तक दिखाई दे रहा था।

आग की सूचना पर पुलिस व अग्निशमन विभाग की दमकलें मौके पर पहुंची। फैक्ट्री में आग ऊन की कतरन के गोदाम में लगी, जो फैलते हुए प्लांट तक पहुंच गई। नगर निगम कोटा उत्तर के मुख्य अग्निशमन अधिकारी राकेश व्यास ने बताया कि चंबल औद्योगिक क्षेत्र में इलाके में गुरुवार अलसुबह एक कैमिकल फैक्ट्री में आग लग गई। इसके चलते 30 लाख से ज्यादा का नुकसान हुआ है। गनीमत है कि दुर्घटना के वक्त फैक्ट्री में कोई भी मजदूर नहीं था और काम नहीं चल रहा था वरना कोई बड़ा हादसा भी हो सकता था।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का जैसलमेर दौरा, रामदेवरा में की पूजा-अर्चना,कहा...

सड़कों का नेटवर्क होगा अच्छा तभी प्रदेश करेगा तरक्की

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि हमारा रोड नेटवर्क अच्छा होगा, तभी हमारा प्रदेश प्रगति कर पाएगा इसलिए राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में सड़कों के ढांचे को सुदृढ़ किया जा रहा है। स्टेट हाईवे, मेगा हाईवे, जिला सड़कें और ग्रामीण सड़कों का निर्माण करवाया जा रहा है। इन सड़कों के निर्माण के साथ इनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग को पाबंद किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ईआरसीपी को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार से ईआरसीपी परियोजना को राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने के लिए बार-बार आग्रह किया जा रहा है। योजना से लाखों हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई और 13 जिलों को पेयजल के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा। राष्ट्रीय परियोजना घोषित होने से यह परियोजना जल्दी पूरी हो सकेगी। राज्य सरकार स्वयं भी इस परियोजना को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जैसलमेर के भणियाणा उपखंड मुख्यालय पर 59 करोड़ रुपए के लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने जैसलमेर के विकास में कोई कमी नहीं रखी है।

प्रदेश की खुशहाली की कामना

सीएम ने शुक्रवार को जैसलमेर स्थित प्रसिद्ध रामदेवरा तीर्थ पहुंचकर बाबा रामदेव जी की समाधि के दर्शन किए। उन्होंने पुष्पहार, पगड़ी पहनाकर तथा समाधि पर चादर चढ़ाकर पंचमेवा का भोग लगाया और प्रदेश के सर्वांगीण विकास और खुशहाली के लिए मंगलकामना की। उन्होंने परिसर में डाली बाई के मंदिर में भी दर्शन व पूजा-अर्चना की। गहलोत ने पूजा के बाद मंदिर परिसर में बाबा की कचहरी में बाबा रामदेव समाधि समिति के प्रतिनिधियों व बाबा रामदेव के वंशजों के साथ बैठकर चर्चा की। कचहरी में गादीपति राव भौमसिंह तंवर एवं अन्य प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को साफा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर व बाबा रामदेव जी की तस्वीर भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मंदिर में दर्शनों के लिए आए देशभर के हजारों श्रद्धालुओं से भी मुलाकात की।

चिकित्सा और कृषि मॉडल देश में उदाहरण

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा चिकित्सा मॉडल आज पूरे देश में उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रदेशवासियों को मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत 10 लाख रुपए तक का निःशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ 5 लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा भी दिया गया है। उन्होंने जनसमुदाय से आह्वान किया कि कोई भी व्यक्ति इस योजना में पंजीकृत होने से वंचित नहीं रहे, इसके लिए अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए। कृषक कल्याण राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता में रहा है। इसलिए पहली बार पृथक से कृषि बजट प्रस्तुत किया गया। इसके साथ बजट राशि को भी दोगुना किया गया है।

शहरी क्षेत्रों में भी मिलेगी रोज़गार की गारंटी

अब जॉब कार्डधारी परिवार को मिलेगा 100 दिवस का रोज़गार

हिलव्यू समाचार

जयपुर। मनरेगा की तर्ज पर शहरों आबादी को रोजगार की गारंटी देने वाली इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी की शुरुआत 9 सितंबर से होगी। योजना में अब तक 2 लाख से अधिक जॉब कार्ड जारी किए जा चुके हैं। इनके माध्यम से पंजीकृत सदस्यों की कुल संख्या 3 लाख 18 हजार से अधिक है। समस्त निकायों में 9 हजार 500 से अधिक कार्य चिह्नित किए गए हैं और सभी नगरीय निकायों का बजट भी आवंटित कर दिया गया है। चिह्नित कार्यों की अनुमानित राशि करीब 658 करोड़ रुपए है। लगभग 6 हजार कार्यों के लिए वित्तीय स्वीकृति भी जारी की जा चुकी है। योजना में शहरी क्षेत्र के बेरोजगार व्यक्तियों को आजीविका अर्जन की दृष्टि से प्रतिवर्ष 100 दिवस का रोजगार उपलब्ध करवाया जाएगा। इस योजना के लिए राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए 800 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान रखा है। राज्य में कोविड-19 महामारी के दौरान रोजगार छिनने से जो परिवार कमजोर और असहाय हो गए हैं। उन्हें भी इस योजना से बड़ा संबल मिल सकेगा।

ई-मित्र के माध्यम से आवेदन

योजना में आवेदन ई-मित्र के माध्यम से निःशुल्क किया जा सकता है। आवेदन करने के बाद 15 दिन में रोजगार उपलब्ध करवाए जाने का प्रावधान है। पारिश्रमिक का भुगतान सीधे जॉब कार्डधारी के खाते में किया जाएगा। योजना के लिए सरकार ने एक वेब पोर्टल पर भी शुरू किया है।

18 से 60 वर्ष की आयु के सदस्य पात्र

योजना का क्रियान्वयन स्थानीय निकाय विभाग के माध्यम से किया जाएगा। योजना के तहत जॉब कार्डधारी परिवार को 100 दिवस का गारंटीशुदा रोजगार उपलब्ध करवा जाएगा। जॉब कार्डधारी परिवार के 18 से 60 वर्ष की आयु के सभी सदस्य पात्र हैं। योजना में पंजीयन जनआधार कार्ड के माध्यम से किया जा रहा है। एक परिवार के सदस्यों को अलग पंजीयन कराने की आवश्यकता नहीं है, जिन परिवारों के जन आधार कार्ड उपलब्ध नहीं हैं, वे ई-मित्र या नगरपालिका सेवा केंद्र पर जनआधार के लिए आवेदन कर उसके क्रमांक के आधार पर कार्ड के लिए आवेदन कर सकेंगे।

अंबेडकर राज. दलित, आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना के प्रारूप को मंजूरी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश में अब आरक्षित वर्ग के लिए उद्योगों की राह आसान होगी। मुख्यमंत्री ने राज्य के दलित और आदिवासी युवाओं एवं उद्यमियों के लिए अहम फैसला लिया है। उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर राजस्थान दलित, आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना-2022 के प्रारूप का अनुमोदन कर दिया है। इससे इन वर्गों के युवाओं के लिए आर्थिक उन्नति के रास्ते खुलेंगे और स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। सीएम ने बजट 2022-23 में यह योजना लागू करने की घोषणा की थी।

इन्क्यूबेशन सेंटर में मिलेगा प्रशिक्षण

योजना के अंतर्गत दलित इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) और सीआईआई आदि के सहयोग से एमएसएमई सेक्टर के विभिन्न ट्रेड व उत्पादों के संबंध में पूर्णकालिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना होगी। सेंटर में प्रशिक्षणार्थियों को उद्यम स्थापना से पूर्व सभी आवश्यक जानकारी, प्रोजेक्ट का चयन, प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना, उद्यम स्थापित करने के लिए आधुनिक मशीनों पर प्रायोगिक प्रशिक्षण, तकनीकी एवं दक्षता संवर्द्धन, संचालन, मार्केटिंग, वित्तीय लेन-देन के स्वरूप एवं प्रक्रिया, लेखा संधारण आदि का आवासीय प्रशिक्षण मिलेगा।

जनरल वीके सिंह का भरतपुर दौरा: बोले

जो गाँधीजी ने किया, वही आज कर रहे हैं मोदी

हिलव्यू समाचार

भरतपुर। केंद्रीय राजमार्ग एवं परिवहन राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह शुक्रवार को भरतपुर के एक दिवसीय दौरे पर रहे और इस दौरान होटल सोनार हवेली में भाजपा के प्रबुद्धजन सम्मेलन में उन्होंने शिरकत की। केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लिखी गई मोदी@20 पुस्तक के संबंध में सम्मेलन में मौजूद प्रबुद्धजनों को संबोधित करते हुए कहा कि 21 अलग-अलग क्षेत्र के लोगों ने इस पुस्तक में अपने विचार व्यक्त किए हैं और इसकी भूमिका प्रख्यात गायिका स्वर्गीय लता मंगेशकर ने लिखी थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने से पहले नरेंद्र मोदी किसी भी पद पर नहीं थे। संगठन में रहकर अलग-अलग राज्यों में उन्होंने काम किया था केंद्रीय मंत्री सिंह ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी रेलगाड़ी में बैठकर देशभर का भ्रमण इसलिए किया था क्योंकि वह भारत को जानना चाहते थे और महात्मा गांधी कहते थे कि भारत शहरों में नहीं, बल्कि गांवों में बसता है। उन्होंने कहा कि जो कार्य महात्मा गांधी ने किया था, वही कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच यही है कि भारत विश्व गुरु बने और दुनिया में सबसे आगे रहे और इसी के लिए पिछले 20 साल से वे निस्वार्थ भाव से देश सेवा का काम कर रहे हैं। पूर्व मंत्री वासुदेव देवनानी, जिला प्रमुख कुंवर जगत सिंह, सांसद रंजीता कोली, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, जिलाध्यक्ष डॉ. शैलेश सिंह आदि मौजूद रहे।

आज जयपुर में जावड़ेकर दो जगह करेंगे संवाद

प्रधानमंत्री के 20 वर्ष के अनुभव पर आधारित पुस्तक 'मोदी@20' को लेकर शनिवार को जयपुर देहात उत्तर में सुबह 10 बजे निम्स यूनिवर्सिटी स्थित सभागार में पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर बतौर मुख्य वक्ता कार्यक्रम को संबोधित कर प्रबुद्धजनों के साथ संवाद करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां करेंगे और प्रबुद्धजनों के साथ संवाद करेंगे। इसके बाद प्रकाश जावड़ेकर बतौर मुख्य वक्ता शाम को छह बजे जयपुर सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल सभागार में इस पुस्तक पर व्याख्यान देंगे और प्रबुद्धजनों के साथ संवाद करेंगे।

एक नज़र

कोटा। छावनी चिकित्सालय के पीछे नवीन स्कूल के सामने कूड़े मै मिला तिरंगा।

अब तिरंगा ससम्मान उतारने के सख़्त आदेश दे राजस्थान सरकार

असलम रोमी
कोटा (हिलव्यू समाचार)। स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व पर घर-घर तिरंगा हर घर तिरंगा अभियान देश की अखंडता और एकता का प्रतीक बना जो विश्वस्तर पर प्रशंसनीय विषय रहा किंतु सरकारी सूचना के आधार पर तिरंगा ससम्मान उतारना भी ज़रूरी था लेकिन अब भी कई घरों में जगह-जगह तिरंगे लहरा रहे हैं और तेज़ हवा के चलते यह उड़कर इधर-उधर सड़क,नालियों,गलियों में नज़र आने लगे हैं। ऐसे में अब सरकार को सख़्त विशेष सूचना जारी करते हुए तिरंगा घरों से ससम्मान उतारने के आदेश जारी करने चाहिए। कोटा शहर ही नहीं सम्पूर्ण राजस्थान में अब इस आदेश को जारी किया जाना आवश्यक है ताकि तिंरगे की यह स्थिति न बने।

राजस्थान सूक्ष्म सिंचाई मिशन संगोष्ठी का आयोजन

हिलव्यू समाचार
कोटा। उद्यानिकी में सूक्ष्म सिंचाई का महत्व विषय पर जिला कलक्टर ओपी बुनकर की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिला कलक्टर ने उद्यानिकी क्षेत्र में सिंचाई जल के इष्टतम उपयोग सूनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक सूक्ष्म सिंचाई अपनाने का आव्हान किया। संयुक्त निदेशक उद्यान पीके गुप्ता ने सभी डीलर्स व कृषकों को प्रचार-प्रसार कर अधिकतम अनुदान पत्रावलियां ऑनलाईन करवाने के लिए निर्देशित किया। उप निदेशक उद्यान आनन्दी लाल मीणा ने सूक्ष्म सिंचाई संयंत्रो पर दिये जाने वाले अनुदान की ऑनलाईन प्रक्रिया एवं संयंत्रों पर दी जाने वाली अनुदान राशि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। कमल किशोर पहाड़िया, कृषि अधिकारी उद्यान ने पीपीटी के माध्यम से ड्रिप, मिनि एवं स्प्रिंकलर संयंत्रों की संरचना के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया। संगोष्ठी में उप निदेशक कृषि विस्तार खेमराज शर्मा, नाबार्ड के डीजीएम रामप्रसाद शर्मा, एक्सईएन जिला परिषद अशोक कुमार मीणा सहित 60 सूक्ष्म सिंचाई निर्माता कम्पनियों के प्रतिनिधि, डीलर्स एवं प्रगतिशील कृषकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन राजवीर सिंह, कृषि अधिकारी उद्यान द्वारा किया गया।

छात्रवृत्ति योजना का लाभ लें

कोटा (हिलव्यू समाचार)। बीड़ी, चूना पत्थर, डोलामाइट खान के श्रमिकों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति की कल्याणकारी योजना संचालित है। योजनान्तर्गत छात्रवृत्ति की राशि में भी अभिवृद्धि की गई है। योजना का लाभ लेने के लिए संबंधित पात्र व्यक्ति राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। भारत सरकार के श्रम मंत्रालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पर छात्रवृत्ति के आवेदन प्रारम्भ हो चुके हैं।

खाद्य सुरक्षा योजना में अवैध पाये गये जिले में 1381 राज्य कर्मियों से 2 करोड 66 लाख 28 हजार 493 की वसूली कर राजकोष में जमा

हिलव्यू समाचार कोटा। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत लाभ उठाने वाले 1702 राजकीय कर्मचारियों की सूची प्राप्त हुई थी जिसमें से जिले के 1381 राजकीय कर्मचारियों से वसूली राषि 2 करोड़ 66 लाख 28 हजार 493 रूपये राजकोष में जमा करवा दिये गये हैं एवं शेष 321 कर्मचारियों से वसूली शेष है। जिला रसद अधिकारी पुष्पा हरवानी ने बताया कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के तहत लाभ उठाने वाले जिले के आरजीएचएस में सम्मिलित ऐसे 1646 सरकारी कर्मचारियों की सूची भी प्राप्त हुई है। उन्होंने सभी राजकीय कर्मचारियों को कार्यालय द्वारा राषि जमा करवाने के लिए निर्देषित किया है। उन्होंने बताया कि राषि जमा नहीं करवाने पर संबंधित विभाग को राज्य कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही व वसूली के लिए लिखा जावेगा।

कोटा शहर में गणेश महोत्सव की धूम

कार्यालय संवाददाता
कोटा। कोटा शहर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी गणेश चतुर्थी से लेकर अनंत चतुर्दशी पर्व तक शहर के विभिन्न मार्गो चौराहों कॉलोनी में इन दिनों गणेश महोत्सव बड़े ही हर्षोउल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है। रेतवाली टिपटा स्थित कांटाघर हाउस हवेली में स्थित श्री भौम्यासा महाराज के मंदिर प्रांगण में नगर निगम कोटा दक्षिण के वार्ड 1 के पार्षद श्री दिलीप अरोड़ा ने सपत्नी श्री गणेश जी महाराज की पूरे विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की। उल्लेखनीय है कि स्थानीय वार्ड पार्षद श्री दिलीप अरोडा ने मंदिर प्रांगण में स्थानीय नागरिकों की काफी समय से लंबित टीनशेड की मांग को पूरा किया है। स्थानीय पार्षद ने बताया कि इस कार्य में अनुमानित 50 हजार रूपये व्यय किये गये है। पार्षद के इस सराहनीय कार्य पर स्थानीय क्षेत्र निवासियों ने पार्षद का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर सभी क्षेत्र वासियों ने पार्षद का सपत्नी माला पहना कर अभिनंदन और स्वागत किया। इस अवसर पर विरेन्द्र सिंह पंवार, राजेन्द्र सिंह, किशन सिंह, राजदीप सिंह, अजीत सिंह, नितेन्द्र सिंह, हेमा पंवार, प्रियंका, रेखा बाई, मोनिका सिंह सहित बडी संख्या में स्थानीय निवासियों ने पार्षद का सपत्नी माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मिक अभिनन्दन और स्वागत भी किया।

स्थानीय वार्ड पार्षद ने किया गणेश पूजन

राष्ट्रीय स्तर का डिफेंस एक्सपो का आयोजन 11 सितम्बर से दशहरा मैदान में

जिला कलक्टर ने अधिकारियों एवं उद्यमियों की बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा

हिलव्यू समाचार
कोटा। पहली बार रक्षा उत्पाद मंत्रालय एवं भारतीय रक्षा उत्पादन समिति के संयुक्त तत्वाधान में 11 सितम्बर से आयोजित किए जा रहे डिफेंस एक्सपो 2022 के तैयारियों की समीक्षा बैठक शुक्रवार को जिला कलक्टर ओपी बुनकर की अध्यक्षता में नगर निगम दक्षिण के मीटिंग हॉल में आयोजित की गई जिसमें रक्षा मंत्रालय उत्पाद खण्ड के उपायुक्त प्रवीण कुमार सहित प्रमुख उद्यमी एवं जिले के औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। जिला कलक्टर ने कहा कि जिले में डिफेंस एक्सपो के माध्यम से युवा स्टार्टअप को बेहतरीन अवसर मिलेंगे, रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में देश आत्मनिर्भर हो रहा है, इसमें लघु एवं मध्यम उद्योगों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि कोटा में देशभर के विद्यार्थी अध्ययन करने आते है, इस एक्सपो के माध्यम से उन्हें रोजगार के नवीन क्षेत्रों एवं स्टार्टअप की जानकारी मिलेगी। उन्होंने जिले के औद्योगिक संगठनों का आव्हान किया कि वे इसमें सक्रियता से भागीदारी निभाए। प्रदर्शनी में अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने के साथ-साथ भविष्य में रक्षा उत्पादन की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा लें।

स्टार्टअप एवं उद्यमियों के लिए बेहतरीन अवसरः रक्षा उत्पाद मंत्रालय के उप महानिदेशक प्रवीण कुमार ने बताया कि लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला के प्रयासों से आयोजित किए जा रहे दो दिवसीय डिफेंस एक्सपो में स्वदेशी निर्मित रक्षा उत्पादों का प्रदर्शन, देशभर के उद्यमियों की प्रदर्शनी एवं ड्रोन शॉ विशेष आकर्षण के केन्द्र होंगे। इसमें लघु उद्योग का रक्षा सामग्री के उत्पादन में योगदान एवं सम्भावनाओं की जानकारी स्टार्टअप को मिलेगी।

अतिरिक्त कलक्टर राजकुमार सिंह ने कहा कि मध्यम एवं लघु उद्योग से जुड़े उद्यमी प्रदर्शनी में भाग लें, प्रदेश उद्यमियों के लिए रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में डिफेंस एक्सपो प्रेरणा का कार्य करेगा। उन्होंने स्थानीय उद्यमियों एवं आयोजन की गतिविधियों का डाटाबेस तैयार करने का सुझाव दिया। इस अवसर पर अतिरिक्त आयुक्त नगर निगम अम्बालाल मीणा, ओम मेटल के जीआर शर्मा, महाप्रबंधक उद्योग केन्द्र सीएम गुप्ता, जीएमए के राकेश जैन सहित उद्यमी एवं औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सड़कों को लेकर मंत्री का बयान दुर्भाग्यपूर्ण: गुंजल

हिलव्यू समाचार
कोटा। कोटा शहर के अनियोजित विकास, उखड़ी पड़ी सड़कों, बेतहाशा गड्ढो के कारण शहर में हो रही मौतों की जिम्मेदारी लेने के बदले मंत्री का ये कहना कि अभी सड़को को सही होने में दो महीने से ज्यादा समय लगेगा। इससे ज्यादा शर्म की बात कोई हो नही सकती। शहर की जनता इस अनियोजित विकास, शहर में अनेकों जगह बने एक्सीडेंटल जोन,भूल भुलैय्या चौराहों, उखड़ी पड़ी सड़कों का दर्द पिछले तीन साल से जनता भुगत रही हैं। शहर के 29 परिवार अपनों को खो चुके हैं वहीं दूसरी ओर सैकड़ों लोग जीवन भर तकलीफ़ देने वाली अस्थमा, स्लिप डिस्क, सर्वाइकल सहित कई बीमारियों से ग्रसित हो चुके हैं पर सरकार व प्रशासन अपनी जिम्मेदारी नही निभा रहे हैं।

गुंजल ने कहा कि सरकार स्मार्ट सिटी के पैसों का दुरुपयोग करने में लगी है। किसने मांगे थे आपसे बड़े बड़े चौराहे,अंडरपास, फ्लाईओवर, शहर की मूलभूत समस्याओं को दरकिनार कर थोथा विकास कर शहर की आँखों में धूल झौंक रहे हो पर अब जनता समझ चुकी है। गुंजल ने कहा कि दो दिन पहले ही एक गर्भवती महिला इसका शिकार हुई है

थोथा विकास पुरुष कहलाने के सपने को छोड़िए अनियोजित विकास के बदले शहर की सड़कों को ठीक कीजिए मेरा शहर अब एक दिन भी एक भी व्यक्ति को खोने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि अभिलंब सड़कों की मरम्मत होनी चाहिए हाल ही में केरल हाईकोर्ट व एक अन्य प्रदेश का हाईकोर्ट भी कह चुका है कि सड़कों में गड्ढों के कारण यदि मौत होती है तो उसका जिम्मेदार सरकार व प्रशासन होगा। आप अपनी जिम्मेदारी से भाग नहीं सकते। वही गुंजल ने कहा कि जब सारा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा था कोटा शहर दो दिन पहले राखी पर बिछड़े हुए अपनों के लिए रो रहा था। तब हजारों लोगों के साथ हमने प्रदर्शन किया व मांग की कि अविलंब गड्ढों को भरिए शहर की सड़कों को ठीक कीजिए परंतु मंत्री का यह बयान कि अभी कुछ समय और तकलीफ़ उठानी पड़ेगी बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है इस बयान से पूरा शहर सहमा हुआ है। गुंजल ने आमजन से अपील की आइए मंत्री के इस बयान के ख़िलाफ़ सड़कों पर उतरिये। उन्होंने कहा कि अनंत चतुर्दशी के बाद शहरवासियों के साथ चर्चा कर सरकार के खिलाफ बड़े विरोध प्रदर्शन की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

बीमार यात्रियों हेतु कोटा रेल प्रशासन को आधुनिक स्ट्रेचर किया भेंट

कोटा (हिलव्यू समाचार)। अंतरराष्ट्रीय न्यायिक मानवाधिकार आयोग शाखा कोटा की ओर से रेलवे स्टेशन कोटा पर अचानक बीमार या घायल रेल यात्रियों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में पहुँचाने के लिए उनके सहयोग हेतु आधुनिक स्ट्रेचर स्टेशन निदेशक एन. के. मीना एवं जसवंतसिंह बतरा स्टेशन प्रबंधक को भेंट की गई। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय न्यायिक मानवाधिकार आयोग शाखा कोटा की ओर से श्रीमति कीर्ति टंडन जिला अध्यक्ष, कविता मीना उपाध्यक्ष ,तथा सदस्य जया ,संध्या, प्रिया एवं विदिशा उपस्थित रही। इस पुनीत कार्य के लिए मंडल रेल प्रबंधक कोटा पंकज शर्मा की ओर से आयोग के सभी महिला सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। इस संबंध में कोटा रेल मंडल के जनसम्पर्क अधिकारी रोहित मालवीय ने बताया कि कोटा रेल मंडल के स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए स्ट्रेचर, व्हील चेयर , मानक स्तर के वाटरकूलर ओर पर्यावरण संरक्षण के पौधारोपण को को सहर्ष स्वीकार किया जाएगा ।

कर्मिकों का जीपीएफ एवं बीमा रिकॉर्ड पोर्टल पर अपलोड़ करने का अभियान

हिलव्यू समाचार
कोटा। बीमा विभाग के द्वारा राज्य कर्मियों का जीपीएफ एवं बीमा योजना का रिकॉर्ड अपडेट कर दस्तावेज स्कैन कर विभागीय पोर्टल पर अपलोड करने का अभियान चलाया जा रहा है।उप निदेशक राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग इन्द्र कुमार भानु ने बताया कि वर्तमान में विभाग की जीपीएफ एवं राज्य बीमा योजना की सभी प्रक्रिया ऑनलाईन है। उन्होंने बताया कि राज्य कर्मचारियों के जीपीएफ आहरण, बीमा, ऋण, जीपीएफ के अंतिम भुगतान या बीमा अंतिम भुगतान ऑनलाईन आवेदन के आधार पर निस्तारित किए जा रहे हैं। सभी कार्मिकों की आहरण वितरण अधिकारी द्वारा सत्यापित जीपीएफ एवं बीमा रिकॉर्ड बुक, राज्य बीमा पॉलिसी, पदस्थापन विवरण, प्रथम, अधिक घोषणा पत्र कार्मिक की एसएसओ आईडी से अपलोड किया जाना आवष्यक है एवं सभी कार्मिकों के द्वारा अपनी एसएसओ आईडी से ओटीपी के माध्यम से बीमा, जीपीएफ, जीआइएस, जीपीए का मनोनयन अपडेट करना आवष्यक है। जिन कर्मचारियों की पॉलिसी 1 अप्रैल 2023 को परिपक्व हो रही है, वे आवश्यक रूप से अपना पदस्थापन विवरण पॉलिसी बॉन्ड एवं सत्यापित बीमा पासबुक सात दिवस में अपलोड करवा दें जिससे 1 अप्रैल 2023 को भुगतान विभाग द्वारा जारी किया जा सकें।

द्वितीय त्रैमासिक बैठक 7 को

हिलव्यू समाचार
कोटा। स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग अन्तर्गत जिला स्तरीय समिति की वित्तीय वर्ष की द्वितीय त्रैमासिक बैठक का आयोजन जिला कलक्टर एवं जिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष ओपी बुनकर के निर्देशानुसार आज बुधवार 7 सितम्बर को प्रातः 10:30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में किया जायेगा।

कोटा सर्किट बेंच ने 34 उपभोक्ताओं को दी राहत

हिलव्यू समाचार
कोटा। राज्य उपभोक्ता आयोग की ओर से कोटा में लगाई गई 5 दिवसीय सर्किट बेंच में 87 प्रकरणों की सुनवाई कर 34 उपभोक्ता मामलों का निस्तारण कर उपभोक्ताओं को राहत दी गई। सर्किट बेंच में विशेष मामलों में आयोग ने दोनों पक्षों की अंतिम बहस सुनकर बैंक व बीमा कम्पनियों से उपभोक्ताओं को उनका हक दिलवाया।

सर्किट बेंच में न्यायिक सदस्य सुरेन्द्र कुमार जैन व रामफूल गुर्जर या अन्य सदस्य द्वारा सुनवाई की जाती है। सदस्य रामफूल गुर्जर ने बताया कि संभाग के सभी जिलों के उपभोक्ताओं को स्थानीय स्तर पर त्वरित न्याय दिलाने के लिए प्रत्येक माह के अंतिम सप्ताह में न्यायिक सदस्यों द्वारा सुनवाई की जाती है। उन्होंने बताया कि कोटा सर्किट बेंच में हाड़ौती संभाग के सभी जिलों के उपभोक्ता आयोग के निर्णयों की अपीलें सुनी जाती है एवं नये मामले दर्ज किए जाते हैं।

बाढ़ पीड़ितों के लिए सहायता राशि जारी

हिलव्यू समाचार
कोटा। कोटा जिले में अतिवर्षा के कारण आवासीय क्षेत्रों में हुए नुकसान का सर्वे करवाकर प्रभावित परिवारों को सहायता राशि जारी करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। दीगोद तहसील में 383 आवासों के लिए 74 लाख 79 हजार 100 रूपये की सहायता राशि स्वीकृत की है। जिला कलक्टर ओपी बुनकर ने बताया कि जिले में अधिक वर्षा के कारण आवासीय क्षेत्रों में बाढ़ की स्थिति से कच्चे-पक्के मकानों को नुकसान हुआ था। दीगोद तहसील में सर्वे कराकर तहसीलदार की रिपोर्ट के आधार पर प्रभावित परिवारों को सहायता राशि स्वीकृत कर सीधे खातों में जमा कराई जाएगी। तहसीलदार दीगोद की रिपोर्ट के आधार पर 117 आवासों में घरेलू सामान कपड़े, बर्तन आदि में क्षति होने के कारण प्रभावित परिवारों को 4 लाख 44 हजार 600 रूपये की सहायता राशि स्वीकृत की है।

कोटा मंडल

मेल व एक्सप्रेस गाड़ियों में आरक्षित टिकटों की जाँच से अब एचएचटी मशीन डिजिटल इंडिया अभियान को बढ़ावा

हिलव्यू समाचार
कोटा। डिजिटल इंडिया अभियान को बढ़ावा देने के लिये भारतीय रेल द्वारा चलती ट्रेन में आरक्षित टिकट की जांच के लिए अपने टिकट चल निरीक्षकों व परीक्षकों द्वारा हैंड हेल्ड टर्मिनल (एचएचटी) उपकरण का उपयोग किया जा रहा है। इसी कड़ी कोटा मंडल में भी चलती यात्री गाड़ी में आरक्षित टिकिट की जाँच टिकिट चल निरीक्षकों व परीक्षकों द्वारा ट्रेन आरक्षण चार्ट के स्थान पर अब डिजिटल आधुनिक तकनीकी की नई ई-डिवाइस रुपी हेंड हेल्ड टर्मिनल (एचएचटी) से की जा रही है। पमरे ने कोटा मंडल को 182 हेंड हेल्ड टर्मिनल उपलब्ध कराये गए है। इसके लिए मंडल के टिकट चैकिंग स्टाफ को प्रशिक्षित किया गया है। इस नई ई-डिवाइस रुपी अत्याधुनिक तकनीकी से परिपूर्ण

हेंड हेल्ड टर्मिनल (एचएचटी) की शुरुआत सर्वप्रथम कोटा मंडल की कोटा से निजामुद्दीन के मध्य चलने वाली जन शताब्दी और उदयपुर से निजामुद्दीन के मध्य चलने वाली मेवाड़ एक्सप्रेस में की गयी। वर्तमान में कोटा मंडल के सभी मेल व एक्स ट्रेनों में आरक्षित टिकट की जांच के लिए हैंड हेल्ड टर्मिनल (एचएचटी) उपकरण का उपयोग किया जा रहा है।

यात्रियों से निवेदन है कि यात्री उसी स्टेशन से गाड़ी पकड़े जहां से उन्होंने बोर्डिंग प्वाइंट टिकट में लिख कर दिया है जिससे यात्रा के दौरान असुविधा ना हो ।

चलती ट्रेन में कंप्यूटर आधारित टिकट की जांच के लिए भारतीय स्तर पर रेलवे ने एचएचटी उपकरण शुरू की गई है। इस तरह की व्यवस्था से ट्रेन में खाली सीट के बारे में पता लग जाएगा। इससे प्रतीक्षा सूची के यात्रियों को भी खाली सीट उपलब्ध कराने में सहूलियत होगी। इससे यात्रियों को संतुष्टि होगी। ज्यादा बुकिंग से रेलवे का भी राजस्व बढ़ेगा साथ ही डिजिटल इंडिया अभियान को भी बढ़ावा मिलेगा। इस तरह के उपकरण से टिकट जांच करने वाले कर्मचारी को भी सहूलियत होगी। उनके टर्मिनल उपकरण पर उपलब्ध सीटों का विवरण होगा और आरक्षण चार्ट भी नहीं देखना पड़ेगा।

इसके उपयोग से टीटीई के कार्य में पारदर्शिता आएगी तथा ट्रेन के संचालन के दौरान खाली बर्थ का उपयोग भी रेल रिकार्ड के साथ होगा। इस एचएचटी के द्वारा अब टिकिट निरीक्षक चार्ट के स्थान पर इसमें यात्री का विवरण देख सकेगे जिससे कागज की बचत के साथ ही मेन पावर की भी बचत होगी।

हिलव्यू समाचार में विज्ञापन एवं ख़बरों के लिए सम्पर्क करें...

हरीश श्रीवास्तव
सह संपादक, छबड़ा
+9461846059, 7976561127

असलम रोमी पत्रकार
ब्यूरो चीफ कोटा
+91 99283 50279, 7976561127

साथी को दीजिए खुशियों भरा उपहार

बन जाओ स्मार्ट पार्टनर

आजकल ज्यादातर कपल्स वर्किंग हैं. ऐसे में भागदौड़ भरी लाइफ में काम व स्ट्रेस की वजह से उन के बीच छोटी-छोटी बातों को ले कर अनबन हो ही जाती है. अगर इन विवादों को साथ मिल कर दूर कर लिया जाए तो लाइफ आसान बन सकती है. आप भी छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देकर एक स्मार्ट पार्टनर बन सकते हैं और अपने साथी को खुशियों भरा उपहार दे सकते हैं.

पसंद-नापसंद का रखें ध्यान

प्यार भरे संबंधों के लिए यह जरूरी है कि आप अपने साथी की पसंद-नापसंद का ध्यान रखें. अगर उसे आप की कोई बात अच्छी नहीं लगती है तो उसे बदलने की कोशिश करें. इसी तरह से इस बात का भी खयाल रखें कि कौन-कौन सी बातें हैं जो आप के साथी को अच्छी लगती हैं और जो आप के जीवनसाथी के चेहरे पर मुस्कान ला सकती हैं. अगर आप के साथी को आप का फुजूलखर्च करना अच्छा नहीं लगता है, तो कोशिश करें कि बेवजह की चीजों में पैसे बर्बाद न करें. अगर किसी चीज के लिए आप को मना कर दिया है तो उस के लिए जिद न करें, बल्कि यह समझने की कोशिश करें कि आप के साथी ने आप की भलाई के लिए ही मना किया है.

फाइनैंशियल प्लानिंग करें

आज फाइनैंशियल प्लानिंग बहुत जरूरी है, जो आप के भविष्य को सुरक्षित और टैंशन फ्री बनाती है. आजकल इस तरह की भी पॉलिसी आ रही हैं जो आप दोनों कम्बाइंड ले सकते हैं. आप दोनों को अलग अलग पॉलिसियां लेने की जरूरत नहीं है, बल्कि एक ही पॉलिसी से आप अपना फ्यूचर सिक्योर कर सकते हैं.

एक-दूसरे को स्पेस दें

शादी से पहले भले ही आप का एक्स्ट्रा केयरिंग नेचर आप के पार्टनर को अच्छा लगता हो लेकिन शादी के बाद एक्स्ट्रा केयरिंग नेचर आप दोनों के बीच मनमुटाव का कारण भी बन सकता है. इसलिए एक दूसरे को स्पेस दें. हर बात के लिए पूछताछ न करें बल्कि भरोसा करना सीखें. एक दूसरे के निर्णयों का सम्मान करें.

सुझाव दें मगर थोपें नहीं

कई बार ऐसा देखा जाता है कि पति जब भी कोई चीज खरीदने की प्लानिंग करते हैं तो पत्नी उस में अपने सुझाव के बजाय अपना फैसला थोपने लगती है कि नहीं यह गाड़ी नहीं, गाड़ी खरीदेंगे तो बड़ी ही खरीदेंगे. ऐसा न करें. बल्कि आप उस में आर्थिक रूप से मदद करने की कोशिश करें.

टेक्नोफ्रेंडली बनें

आप कामकाजी महिला हों या घरेलू, कोशिश करें कि ज्यादा से ज्यादा टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करें, जिस से आप को हर बात के लिए अपने पति पर निर्भर रहने की जरूरत न पड़े. आप को यह बात समझने की जरूरत है कि आप के पति के पास कई काम होते हैं और ऐसे में आप भी उन पर निर्भर रहेंगी तो इस बात से आप दोनों के बीच हलकी-फुलकी नोकझोंक हो सकती है. इसलिए घर के छोटे मोटे काम जिन्हें आप टेक्नोलॉजी की मदद से कर सकती हैं खुद करें. ऐसा कर के आप न केवल स्मार्ट वूमन बन सकती हैं बल्कि अपना कीमती समय भी बचा सकती हैं.

पार्टनर की राय अवश्य लें

आप घर, कार या इनवेस्टमेंट की प्लानिंग कर रहे हैं तो अपने पार्टनर की राय अवश्य लें. कई पति ऐसा सोचते हैं कि पत्नी से क्या पूछना, उसे इन सब चीजों की कहां जानकारी होती है. ऐसा न करें, बल्कि यह भी हो सकता है कि आप के पार्टनर को इस के बारे में आप से ज्यादा जानकारी हो और वह आप को सही गाइड कर सके.

सुरक्षा भरा गिफ्ट दें

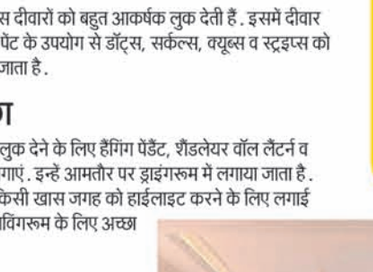

अकसर पार्टनर एकदूसरे को शादी की सालगिरह या बर्थडे पर कपड़े, फोन या सजने संवरने की चीजें ही गिफ्ट करते हैं. आप भी इसी तरह के गिफ्ट्स न दें, बल्कि आप अपने पार्टनर को एक स्मार्ट उपहार यानी इंश्योरेंस पॉलिसी का उपहार दें, जो उसे खुशी के साथ साथ सुरक्षा भी दे. जिस तरह से आप अपने पार्टनर का हाथ हमेशा थाम कर रखते हैं उसी तरह से उस का भविष्य भी सुरक्षित बनाएं.

बच्चों से कराएं छोटे-छोटे काम

बहुत से बच्चों की आदत होती है कि वे कभी भी अपना काम खुद करना पसंद नहीं करते. बच्चों की इन आदतों का कारण उनके मां-बाप भी हो सकते हैं क्योंकि कुछ पैरेंट्स ऐसे होते हैं जो अपने बच्चों से घर पर बिल्कुल भी काम नहीं करवाते हैं. यह बच्चे के लिए बिल्कुल ठीक नहीं है.

जिंदगी में होंगे कामयाब

एक रिसर्च में इस बात का खुलासा किया गया है कि जो बच्चे घर के काम में अपने माता-पिता की मदद करते हैं वे जिंदगी में जरूर सफल होते हैं. इसलिए अपने बच्चों को ऐसी आदतें सिखाएं जिससे वे अपना सारा काम करने के साथ ही घर के काम में भी हाथ बटाएं.

सीखेंगे चैलेंजेस स्वीकारना

बच्चे को खुद का सारा काम करना नहीं सिखाया जाए तो बच्चे आलसी हो जाते हैं और दूसरों पर निर्भर रहना उनकी आदत बन जाती है. इसलिए बच्चों को जिम्मेदारी से काम करना सिखाया जाए ताकि जीवन में आगे आने वाली चुनौतियों का सामना कर सकें. घर के काम में मदद करने से आपका काम भी आसान हो जाएगा.

डेवलप होगी लीडरशिप क्वालिटी

घर का काम करने वाले बच्चों के अंदर आत्मनिर्भरता की भावना उन बच्चों से ज्यादा होती है जो किसी भी तरह का घर का काम नहीं करते हैं. ऐसे बच्चे आगे चलकर किसी भी तरह का नेतृत्व, चाहे फिर किसी कंपनी का हो या जीवन का करने की क्षमता रखते हैं.

पैरेंट्स पर डिपेंडेंट

कुछ मां-बाप बच्चों को सही आदतें ही नहीं सिखाते कि उन्हें अपनी स्कूल ड्रेस कहां रखनी चाहिए, कापी-किताब या बैग को सही करना जैसे काम भी खुद से नहीं कर पाते. इन आदतों से बच्चा पूरी तरह से पैरेंट्स पर निर्भर हो जाता है. ऐसे में ये बच्चे पिछड़ जाते हैं.

तेरी मेरी यारी सबसे न्यारी

दोस्ती में कोई नियम-कायदा नहीं होता. यह सभी मानकों के परे होती है. कुछ बातों का ध्यान रख कर हम अपनी दोस्ती को हमेशा के लिए टिकाऊ बना सकते हैं.

- दोस्ती में कभी पैसों-रुपयों का लेनदेन न आने दें. ऐसा इसलिए क्योंकि तगड़ी से तगड़ी दोस्ती भी कभी-कभार लेनदेन के चक्कर में पिस जाती है.
- दोस्त के पीठ पीछे उतनी ही बात करें, जितनी उसके सामने स्वीकारने में हिचक न हो. ऐसा इसलिए क्योंकि कई लोग जो आप की दोस्ती पसंद नहीं करते, आप को एक दूसरे के विरुद्ध बहकाने की कोशिश कर सकते हैं.
- मित्र के प्रति दिल-दिमाग में कोई वहम आए तो उसे मित्र से बात कर साफ कर लें, वरना मौके-बेमौके वह गुबार दिल से निकल कर जुबान पर आ जाता है. इससे दोस्ती में दरार पड़ते देर नहीं लगती.
- किसी उलझन में फंसे दोस्त को सटीक राय दीजिए, भले ही उस समय उसे वहकड़वी ही क्यों न लगे. ऐसा इसलिए क्योंकि कई बार दोस्त का मन रखने के लिए दी गईउसकी पसंदीदा सलाह बाद में उसे परेशानी में डाल देती है.
- अच्छे दोस्त अपने साथी की खुशी को दोगुना और तकलीफ को आधा कर देते हैं. दोस्ती में अपने अहं को आड़े न आने दें. मैं ही बार-बार क्यों याद करूं, क्यों उसके घर जाऊं? वह क्यों नहीं आ सकता? ऐसी बातें दोस्ती के आड़े नहीं आनी चाहिए.
- कई बार दोस्त अपनी तकलीफ को शेयर करने आते हैं, ताकि कुछ मानसिक सुकून मिल जाए. ऐसे वक्त में उन्हें निराश न करें. उन्हें प्रेम और धैर्य के साथ सुन लेंगे तो समस्या का निदान न सही, उन्हें मानसिक सुकून जरूर मिलेगा.
- कई बार हालात से मजबूर दोस्त रोजाना मेल-मुलाकात नहीं कर पाते या हमें अधिक समय नहीं दे पाते. ऐसे में उनकी व्यस्तता को समझ कर उन्हें कोसने और शिकायतें करने के बजाय वस्तुस्थिति को समझने का प्रयास करें.
- दोस्ती में सहज भाव से अपनी बात रखें. एक सच्ची दोस्ती में अहंकार, फरेब, कटाक्ष और टीका टिप्पणी न होकर सहज और सरल भाव का होना अत्यावश्यक है.
- दोस्ती की आजमाइश की कोशिश कभी न करें. वक्त बे वक्त दोस्तों का आजमाना आपकी अति होशियारी का प्रतीक है. इससे न सिर्फ दोस्ती का स्तर गिरता है बल्कि उसका मौलिक स्वरूप भी आहत हो जाता है.
- दोस्ती में कोई छोटा या बड़ा नहीं होता. दोस्ती न तो उम्र देख कर की जाती है, न ही रंग-रूप या सामाजिक स्तर देख कर. इसलिए यह दूसरे रिश्तों से अधिक टिकाऊ होती है. इसलिए सिर्फ दोस्त बनाने की जुगत न करें बल्कि सच्ची दोस्ती निभाएं.

घर जाकर बोर नहीं हैप्पी हो जाएं

कुछ ही वर्षों में घर का लुक देख-देख कर बोरियत सी होने लग जाती है. अगर आपके घर का लुक बदलता रहे तो दिल और दिमाग दोनों ही खुश और अपनी जगह पर रहते हैं. पुराने रंग की दीवार और पर्दों का कलर अगर न बदला जाए तो घर में अपने वाले मेहमान भी देखकर थक जाते हैं. घर को डेकोर करना कोई फैशन नहीं हैं, बल्कि एक जरूरत है. घर को डेकोर करने के कुछ टिप्स, जिन्हें फॉलो कर आप भी खुशी के गोते लगा सकते हैं.

स्टाइलिश वॉलपेपर

दीवारों पर लगने वाला वॉलपेपर दीवारों की कमियों को तो छिपाता ही है, उन्हें ट्रेंडी लुक भी देता है. एनिमल प्रिंटेड, वुड लुकिंग, वेल्वेट फ्लोक्ड, ब्रिक्स एंड स्टोन वॉलपेपर ट्रेंड में हैं, जिन्हें कमरों के फर्नीचर के रंग के अनुसार चुनना चाहिए. वॉलपेपर लगाने से जहां दीवारों पर पेंट कराने की आवश्यकता नहीं रहती वहीं इन्हें आसानी से साफ भी किया जा सकता है.

ग्राफिकल पेंटिंग्स

ग्राफिकल पेंटिंग्स दीवारों को बहुत आकर्षक लुक देती हैं. इसमें दीवार पर कई रंगों के पेंट के उपयोग से डॉट्स, सर्कल्स, क्यूब्स व स्ट्राइप्स को डिजाइन किया जाता है.

लाइटिंग

घर को लग्जरी लुक देने के लिए हैंगिंग पेंडेंट, शैंडलेयर वॉल लैंटर्न व वॉल लाइट्स लगाएं. इन्हें आमतौर पर ड्राइंगरूम में लगाया जाता है. ऐसेंट लाइट्स किसी खास जगह को हाईलाइट करने के लिए लगाई जाती है. यह लिविंगरूम के लिए अच्छा ऑप्शन है.

वुड फ्लोरिंग

फ्लोरिंग पूरे घर का लुक बदल देती है. आजकल लैमिनेटिड वुड फ्लोरिंग ट्रेंड में है. इसको साफ करना तो आसान होता ही है, इस पर स्क्रैच भी नहीं पडते. मार्बल व टाइल्स फ्लोरिंग भी आकर्षक रंगों व शेप्स में उपलब्ध हैं.

कॉम्बिनेशन पेंटिंग

आजकल कॉम्बिनेशन कलर कराना ट्रेंड में है. जैसे डार्क रेड के साथ वाइट या ब्राउन कलर के साथ वाइट पेंट बहुत आकर्षक लगता है. कॉम्बिनेशन कलर में 2 दीवारें गहरे रंग की तो 2 दीवारें हल्के रंग की करानी चाहिए.

कलर आईलाइनर से अमेजिंग लुक

आईलाइनर आंखों को हाइलाइट करके आपके मेकअप लुक को कम्पलीट बनाता है. बात करें, ड्रामेटिक लुक की, तो ब्लैक आईलाइनर की जगह कलर आईलाइनर का क्रेज देखने को मिलता है. खासकर आपको स्टाइलिश लुक देने के लिए ब्लू आईलाइनर सबसे बेस्ट ऑप्शन है लेकिन कलर आईलाइनर लगाते समय कुछ टिप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए, जिससे कि आपका लुक फनी न लगे.

- कलर आईलाइनर का इस्तेमाल आंखों को हाइलाइट करने के लिए किया जाता है इसलिए किसी भी कीमत पर कलर आईलाइनर लगाने के बाद रेगुलर मेकअप न करें. ऐसा करने से मेकअप ओवर लगेगा.
- आईलाइनर के कलर का चुनाव बेहद सोच समझकर करें. ब्लैक या डार्क ब्राउन के अलावा आप पिंक, लैवेंडर, बैंगनी, एक्वा और गोल्डन कलर्स को चुनें.
- मेकअप करते हुए कलर्ड लाइनर के इस्तेमाल के दौरान फोकस आंखों पर रखें. हैवी मेकअप या बोल्ड लिप कलर को अप्लाई करने से बचें. यह आपकी आंखों से ध्यान हटाएगा.
- बिगनर्स हैं, तो आप शुरुआत में पहले डार्क कलर को ही अप्लाई करें, क्योंकि यह एकदम से आपके लुक को बदलता है. उसके बाद आप धीरे-धीरे कलर्स के साथ एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं. शुरूआत में ब्राउन या ब्लू कलर को चुना जा सकता है.
- कलर आईलाइनर लगाते हुए ध्यान रखें कि आपको मस्कारा ब्लैक कलर का ही लगाना है. लाइट मस्कारा नेचुरल आईलैशेज पर लगाएं लेकिन फेक आईलैशेज लगाने से बचें.

हैंडबैग को दीजिए लंबी उम्र

आपने कई लड़कियों को देखा होगा कि उनका हैंडबैग हमेशा ही नया दिखाई देता है. वहीं, कुछ लड़कियां ऐसी भी होती हैं जिनका हैंडबैग 10-12 दिनों में ही पुराना लगने लगता है. नए और पुराने हैंडबैग का यह चक्कर उनके रख-रखाव से भी जुड़ा हो सकता है. हैंडबैग के इस्तेमाल के बाद इसे कहीं पर भी रख देने से यह कुछ ही दिनों में पुराना लगने लगता है. ऐसे में कई बार सही-सलामत होने के बाद भी लड़कियां हैंडबैग बदल लेती हैं. बताते हैं कि अपने हैंडबैग का ख्याल कैसे रखें-

- जैसे, जूतों को नियमित अंतराल पर पॉलिश की जरूरत होती है, वैसे ही आपके लेदर आदि से बने हैंडबैग को भी नियमित अंतराल पर देखभाल की जरूरत होती है. बाजार में हैंडबैग की देखभाल के लिए ढेर सारे प्रोडक्ट उपलब्ध हैं. नियमित अंतराल पर उनका इस्तेमाल करें.
- क्या आप भी अपने हैंडबैग को किसी कोने में रख देती हैं? हैंडबैग की लंबी उम्र के लिए उन्हें अपने वॉर्डरोब में सीधा खड़ा करके रखें. सभी हैंडबैग एक कवर के साथ आता है. अपने हैंडबैग को उसी कवर में रखने की कोशिश करें.
- अगर आपके हैंडबैग पर किसी भी चीज का निशान लग गया है तो उसे घर जाकर साफ करने के बारे में न सोचें. निशान लगते ही तुरंत उसे साफ करें. तभी हैंडबैग की चमक लंबे समय तक कायम रह पाएगी.
- आपका हैंडबैग आपका दूसरा घर है. पर इसमें रखे जाने वाले कॉस्मेटिक्स आदि को अलग-अलग पाउच में रखें ताकि हैंडबैग के भीतर का कपड़ा न खराब हो.

जूट फुटवेयर्स देते हैं स्टाइलिश लुक

आपके ओवरऑल लुक के लिए सही फुटवेयर्स बेहद जरूरी हैं लेकिन सिर्फ दिखने में ही नहीं पहनने में भी कंफर्टेबल होनी चाहिए. कई बार अलग-अलग तरह के सोल की वजह से पैरों में दर्द होने लगता है. ऐसे में आप जूट फुटवेयर्स कैरी कर सकती हैं. जूट फुटवेयर्स नेचुरल होती हैं, इसलिए इससे पैरों में दर्द भी नहीं होता है.

मेंस जूट फुटवेयर्स

लडकों के लिए जूट फुटवेयर्स बेहद स्टाइलिश लगेंगे. इसमें कॉन्ट्रास्टिंग ब्लू कलर की लेस दी गई है. इसे कैजुअल और फॉर्मल, दोनों लुक के लिए कैरी कर सकते हैं.

जूट शू

सिर्फ जूट स्लीपर्स ही नहीं, जूट शू भी बेहद शानदार लगते हैं. आप अपनी डेनिम्स या शॉर्ट्स के साथ ये जूट शू कैरी कर सकती हैं.

स्लीप-ऑन जूट स्लीपर्स

अगर आपको नॉर्मल स्लीपर नहीं चाहिए, तो स्लीप-ऑन जूट स्लीपर्स कैरी करें. इसे आप कैजुअल लुक के लिए आराम से पहन सकती हैं.

मल्टीकलर्ड जूट फुटवेयर्स

ये खूबसूरत मल्टीकलर्ड जूट फुटवेयर्स सिर्फ वेस्टर्न ही नहीं, इंडियन वेयर्स के साथ भी खूब जंचेंगे.

जूट स्लीपर

इसे कुछ एक्सेसराइज करके स्टाइलिश लुक दिया गया है. हॉलीडे से लेकर फ्रेंड्स के साथ हैंगआउट तक, आप इसे कहीं भी कैरी कर सकती हैं. ये बेहद कंफर्टेबल भी होगी.

एक नज़र

असम में मदरसे पर चला बुलडोजर, 1 शिक्षक अरेस्ट

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के बोंगाइगांव जिले में अधिकारियों ने बुधवार को एक मदरसे को ढहा दिया जिसके परिसर में कथित तौर पर जिहादी गतिविधियां चल रही थीं।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि अल-कायदा भारतीय उपमहाद्वीप और अंसार-उल-बांग्ला टीम से संबंध होने के संदेह में पिछले सप्ताह मदरसे के एक शिक्षक को गिरफ्तार किया था। अधिकारी ने कहा कि जिले के जोगीघोपा इलाके में स्थित दो मंजिला कबायतारी मा आरिफ मदरसे को तोड़ने के लिए बुलडोजर तैनात किए गए थे। मदरसे के परिसर में बने अन्य ढांचों को भी ढहा दिया गया। यह इस सप्ताह इस तरह की कार्रवाई का दूसरा मामला है। इससे पहले सोमवार को बारपेटा जिले में एक मदरसे को ढहा दिया गया था, जिसमें कथित रूप से अंसार-उल-बांग्ला टीम के दो बांग्लादेशी सदस्य चार वर्ष से रह रहे थे। बारपेटा पुलिस ने इस मामले में मदरसे के प्रिंसिपल, एक शिक्षक और एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया था।

बोंगाईगांव के पुलिस अधिकारी ने कहा कि मंगलवार रात गोलपाड़ा पुलिस को एक अभियान के दौरान कबायतारी मा आरिफ मदरसे की कैंटीन से 'जिहादी' तत्वों से संबंधित दस्तावेज मिले थे, जिसके बाद इसे ढहाया जा रहा है।

गोलपाड़ा पुलिस ने पिछले हफ्ते मदरसे के एक शिक्षक को गिरफ्तार किया था और उसके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर छापेमारी की गई थी। अधिकारी ने कहा, मदरसे में 224 छात्र थे। अधिकारियों ने उन्हें 30 अगस्त की रात तक परिसर खाली करने के लिए कहा था। जिला प्रशासन ने घर जाने में उनकी मदद की। ज्यादातर बच्चों के अभिभावक आए और उन्हें ले गए।

भारत के पहला स्वदेशी निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत अब लहरों पर

कोच्चि (केरल)(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को यहां भारत के पहले स्वदेशी निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत का जलावतरण किया। इसके साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों की फेहरिस्त में शामिल हो गया है, जिनके पास ऐसे बड़े युद्धपोतों के निर्माण की घरेलू क्षमताएं हैं।

मोदी ने छत्रपति शिवाजी महाराज से प्रेरित नौसेना के नए निशान (ध्वज) का भी अनावरण किया। उन्होंने कहा कि आज देश ने भारत ने गुलामी के एक निशान, 'गुलामी के एक बोझ' को सीने से उतार दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यहां कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में स्वदेश निर्मित जहाज को नौसेना के बेड़े में शामिल किया। इस जहाज का नाम नौसेना के एक पूर्व जहाज 'विक्रांत' के नाम पर रखा गया है, जिसने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में अहम भूमिका निभाई थी।

उन्होंने विमानवाहक पोत की कुछ विशेषताओं के बारे में भी बात की। उन्होंने इसे 'फ्लोटिंग एयरफील्ड, एक तैरता हुए शहर' के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कहा कि आईएनएस विक्रांत में जितनी बिजली पैदा होती है उससे 5,000 घरों को रोशन किया जा सकता है। सीएसएल पर आईएनएस विक्रांत के जलावतरण समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह आईएनएस विक्रांत को मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी को समर्पित करते हैं।

आत्मनिर्भर होते भारत का अद्वितीय प्रतिबिंब है विक्रांत: मोदी

मोदी ने कहा, विक्रांत विशाल है, विराट है, विहंगम है। विक्रांत विशिष्ट है, विक्रांत विशेष भी है। विक्रांत केवल एक युद्धपोत नहीं है। यह 21वीं सदी के भारत के परिश्रम, प्रतिभा, प्रभाव और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा, यदि लक्ष्य दुरन्त हैं, यात्राएं दिगंत हैं, समंदर और चुनौतियां अनंत हैं तो भारत का उत्तर है विक्रांत। आत्मनिर्भर होते भारत का अद्वितीय प्रतिबिंब है विक्रांत।

भारत चुनिंदा देशों के बेडे में हुआ शामिल

विक्रांत के नौसेना के बेड़े में शामिल होने के साथ ही भारत अमेरिका, ब्रिटेन, रूस, चीन और फ्रांस जैसे देशों के एक चुनिंदा समूह में शामिल हो गया है, जिसमें स्वदेशी रूप से एक विमानवाहक पोत का निर्माण करने की विशिष्ट क्षमता है।

पूर्व सरकारों के सामूहिक प्रयासों का नतीजा

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को भारत के पहले स्वदेश निर्मित पोत आईएनएस विक्रांत को राष्ट्र को समर्पित करने का श्रेय लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दावे पर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों के योगदान को उचित स्थान ना देकर पाखंड किया है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारतीय नौसेना, उसके डिजाइन ब्यूरो और कोचिन शिपयार्ड को बधाई दी और आईएनएस विक्रांत को नौसेना के बेड़े में शामिल किए जाने को देश की समुद्री सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने अगस्त 2013 में आईएनएस विक्रांत का उद्घाटन करते पूर्व रक्षा मंत्री ए के एंटनी का एक वीडियो साझा किया और कहा कि चूंकि मोदी सरकार सत्ता में है, इसलिए वह इस विमानवाहक पोत को राष्ट्र को समर्पित कर रही है।

अधिकतम मामलों के निपटारे का प्रयास: CJI

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के प्रधान न्यायाधीश यू. यू. ललित ने शुक्रवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय अधिक से अधिक मामलों का निस्तारण करने का प्रयास करेगा। साथ ही उन्होंने कहा कि वह लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे। प्रधान न्यायाधीश ने 'बार काउंसिल ऑफ इंडिया' द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में कहा कि उच्चतम न्यायालय अधिक से अधिक संख्या में सुनवाई के लिए मामलों को सूचीबद्ध कर रहा है और इसने पिछले चार दिन में 1,293 विविध मामलों का निपटारा किया है। उन्होंने कहा कि पिछले चार दिन में कुल 440 स्थानांतरण याचिकाओं का निपटारा किया गया। उन्होंने कहा, मैं अपनी ओर से पूरी ईमानदारी से प्रयास करूंगा और उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करूंगा। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता भी मौजूद थे।

दिल्ली: BJP के तीन सदस्यों को सदन से बाहर निकाला

अरविंद केजरीवाल सरकार ने विश्वास मत हासिल किया

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा ने गुरुवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा पेश किए गए विश्वास प्रस्ताव को पारित कर दिया। वहीं भाजपा के तीन विधायकों को उपाध्यक्ष के साथ बहस के बाद मार्शल की मदद से सदन से बाहर निकाले जाने के बाद विपक्षी दल के अन्य पांच विधायकों ने बहिर्गमन किया। केजरीवाल ने कहा कि वह देश के सामने यह साबित करने के लिए प्रस्ताव लाए हैं कि भाजपा आम आदमी पार्टी के विधायकों को नहीं खरीद सकती और भाजपा का 'ऑपरेशन लोटस' दिल्ली में विफल हो गया है। दिल्ली विधानसभा में कुल सीटों की संख्या 70 है जिनमें से 62 विधायक 'आप' के हैं जबकि शेष आठ विधायक भाजपा के हैं। सदन में मौजूद 'आप' के सभी विधायकों ने प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। इसके खिलाफ कोई वोट नहीं पड़ा क्योंकि भाजपा का कोई भी विधायक सदन में मौजूद नहीं था। भाजपा के तीन विधायकों विजेंद्र गुप्ता, अभय वर्मा तथा मोहन सिंह बिष्ट को उपाध्यक्ष राखी बिड़ला के साथ 'नोंकझोंक' के बाद विधानसभा से मार्शल के जरिए बाहर निकाल दिया गया। बिड़ला ने विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा से पहले ध्यानाकर्षण प्रस्ताव संबंधी नोटिस पर गौर करने की उनकी मांग नहीं मानी थी। भाजपा के बाकी विधायकों ने इसके विरोध में सदन से बहिर्गमन कर दिया। बाद में बिड़ला ने सदन की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया। विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए, केजरीवाल ने कहा, हमारे पास 62 विधायक हैं, जिनमें से विधानसभा अध्यक्ष कनाडा में हैं, नरेश बाल्यान ऑस्ट्रेलिया में हैं और सत्येंद्र जैन जेल में हैं। बाकी यहां हैं। केजरीवाल ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर अभी केवल दो पार्टी हैं - कट्टर ईमानदार पार्टी और कट्टर बेईमान पार्टी।

आप विधायकों ने राष्ट्रपति से मांगा समय

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) विधायक आतिशी ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने देश में विभिन्न राज्य सरकारों को अस्थिर करने के भाजपा के कथित प्रयासों के बारे में जानकारी देने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलने का समय मांगा है

अमेरिका: ईंधन के रिसाव के कारण थामी चिनूक की परवाज

हमारे चिनूक दुरुस्त, भर रहे उड़ान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के चिनूक हेलीकॉप्टर हमेशा की तरह काम कर रहे हैं। इससे पहले अमेरिकी सेना ने ईंधन के रिसाव के कारण इंजन में मामूली आग लगने पर हेलीकॉप्टरों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी। भारतीय वायुसेना लद्दाख समेत विभिन्न अभियानों में अपने चिनूक बेड़े का बड़े पैमाने पर उपयोग करती है। घटनाक्रम से परिचित लोगों ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी सेना द्वारा चिनूक सीएच -47 हेलीकॉप्टरों के इस्तेमाल पर रोक लगाए जाने की जानकारी मिलने के बाद आईएएफ मुख्यालय ने बोइंग इंडिया को एक पत्र भेजा है। बताया जा रहा है बोइंग इंडिया ने भारतीय वायुसेना को सूचित किया है कि वायुसेना द्वारा संचालित किए जा रहे चिनूक सीएच-47एफ (आई) हेलीकॉप्टर अमेरिकी सेना के बेड़े में आई समस्या से बिल्कुल भी प्रभावित नहीं हुए हैं। वायुसेना फिलहाल 15 चिनूक हेलीकॉप्टरों का संचालन कर रही है।

मामले से परिचित लोगों में से एक ने कहा, आईएएफ का चिनूक बेड़ा हमेशा की तरह काम कर रहा है। इस मामले पर भारतीय वायुसेना या बोइंग इंडिया की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई। मीडिया में आईं खबरों के अनुसार अमेरिकी सेना के एक प्रवक्ता ने कहा कि ईंधन रिसाव के कारण इंजन में मामूली आग लगने की सूचना मिलने के बाद सेना ने चिनूक हेलीकॉप्टरों के अपने पूरे बेड़े के इस्तेमाल पर रोक लगा दी। अमेरिकी सेना लगभग 400 चिनूक हेलीकॉप्टरों का इस्तेमाल कर रही है। खबरों के अनुसार, अमेरिकी सेना ने ईंधन रिसाव के कारण की पहचान कर ली है।

भारत जोड़ो यात्रा के मार्ग में हर प्रदेश से शामिल होंगे 100-100 लोग

राहुल गाँधी के साथ चलेंगे खेड़ा, कन्हैया समेत 117 'भारत यात्री'

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की आज 7 सितंबर से आरंभ होने वाली 'भारत जोड़ो' यात्रा में राहुल गांधी के साथ कुल 117 नेता कन्याकुमारी से कश्मीर तक पदयात्रा करेंगे। इनमें पार्टी के मीडिया एवं प्रचार प्रमुख पवन खेड़ा और युवा नेता कन्हैया कुमार शामिल हैं। राजस्थान से नौ भारत यात्री इसमें शामिल रहेंगे। उधर बेंगलुरु में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की एक बैठक हुई जिसमें यात्रा की तैयारी पर विचार विमर्श किया गया। इस यात्रा में साथ रहने वाले 117 नेताओं को 'भारत यात्री' नाम दिया गया है और इनमें लगभग सभी वर्गों और प्रदेशों का प्रतिनिधित्व है। कांग्रेस की ओर से जारी सूची के अनुसार, खेड़ा और कन्हैया कुमार के अलावा पार्टी के संचार विभाग के सचिव वैभव वालिया, पंजाब के पूर्व मंत्री विजय इंदर सिंघला, युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष केशव चंद यादव, पूर्व महासचिव सीताराम लांबा और उत्तराखंड महिला कांग्रेस की अध्यक्ष ज्योति रौतेला भी बतौर 'भारत यात्री' राहुल गांधी के साथ पूरी यात्रा में होंगे।

यह होगा यात्रा दल का स्वरूप

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने गत 23 अगस्त को संवाददाताओं को बताया था, 100 पदयात्री होंगे, जो शुरू से आखिर तक चलेंगे। वो 'भारत यात्री' होंगे। जिन प्रदेशों से यह यात्रा नहीं गुजर रही है, उसके 100-100 लोग इसमें शामिल होंगे, ये लोग अतिथि यात्री होंगे। जिन प्रदेशों से यात्रा गुजरेगी उनसे 100-100 यात्री शामिल होंगे। ये प्रदेश यात्री होंगे। एक समय इसमें 300 पदयात्री शामिल रहेंगे। यात्रा के तहत करीब पांच महीने में दक्षिण में कन्याकुमारी से लेकर उत्तर में कश्मीर तक 3,570 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी।

मुद्दहनुमेगौड़ा देंगे कांग्रेस से इस्तीफा

बेंगलुरु। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं तुमकुरु से पूर्व सांसद एस. पी. मुद्दहनुमेगौड़ा ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने पार्टी से इस्तीफा देने का निर्णय लिया है।उन्होंने कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष डी. के. शिवकुमार और विधायक दल के नेता सिद्धरमैया से मुलाकात की और उन्हें अपने निर्णय से अवगत कराया।कर्नाटक में अगले साल विधानसभा चुनाव प्रस्तावित है। मुद्दहनुमेगौड़ा ने कहा कि वह जल्द से जल्द औपचारिक तौर पर अपना इस्तीफा कांग्रेस पार्टी को सौंप देंगे। वह अपने राजनीतिक भविष्य पर शीघ्र निर्णय लेंगे और वह कुनिगल सीट से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। मुद्दहनुमेगौड़ा, कांग्रेस के एकमात्र ऐसे मौजूदा सांसद थे जिन्हें 2019 लोकसभा चुनाव का टिकट नहीं दिया गया था।

आरएसएस की समन्वय बैठक छत्तीसगढ़ में 10 सितंबर से

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े विभिन्न संगठनों की समन्वय बैठक 10-12 सितंबर तक छत्तीसगढ़ के रायपुर में होगी जिसमें सामाजिक एवं राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों सहित वैचारिक क्षेत्र, आर्थिक जगत, सेवा कार्यों आदि के बारे में गहन चर्चा की जाएगी ।

आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि बैठक में पर्यावरण, परिवार प्रबोधन एवं सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर समन्वित प्रयासों के बारे में चर्चा की जाएगी। इस बैठक में सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित पांच सह सरकार्यवाह एवं प्रमुख पदाधिकारी हिस्सा लेंगे । इसमें भारतीय मजदूर संघ से हिरण्यमय पांड्या एवं वी सुरेन्द्रन, विश्व हिन्दू परिषद से आलोक कुमार एवं मिलिंद परांडे, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से आशीष चौहान एवं निधि त्रिपाठी शामिल होंगे। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा तथा संगठन महामंत्री बी एल संतोष भी हिस्सा लेंगे।

एक नज़र

वरिष्ठ पत्रकार वशिष्ठ कुमार शर्मा जी की स्मृति में "वर्तमान परिप्रेक्ष्य में लघु समाचार पत्रो की चुनौतियाँ" विषय पर परिचर्चा

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम के द्वारा प्रदेश के प्रत्येक विधानसभा में चल रही मुहिम के तहत जयपुर पिंक सिटी प्रेस क्लब में आज शुक्रवार को वरिष्ठ पत्रकार आदरणीय श्री वशिष्ठ कुमार शर्मा जी की स्मृति में 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में लघु समाचार पत्रो की चुनौतियाँ' विषय पर परिचर्चा का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री श्री बी.डी. कल्ला जी, बीस सूत्री क्रियान्वयन समिति के उपाध्यक्ष कैबिनेट मंत्री डॉ. चंद्रभान जी, राजस्थान फाउंडेशन के आयुक्त श्री धीरज श्रीवास्तव जी, मुख्य वक्ता महानगर टाइम्स के संपादक वरिष्ठ पत्रकार श्री गोपाल शर्मा जी, मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी श्री फारूक आफरीदी जी, वरिष्ठ पत्रकार श्री जगदीश शर्मा जी, श्री विनोद भारद्वाज जी, राजस्थान सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय के अतिरिक्त निदेशक श्री अरुण शर्मा जी, सेवानिवृत्त आईएएस श्री मनोज शर्मा जी, अतिरिक्त निदेशक पिंक सिटी प्रेस क्लब के तीन बार अध्यक्ष रहे फोरम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री राधारमण शर्मा , पूर्व अध्यक्ष श्री नीरज मेहरा जी, श्री पिंक सिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री मुकेश मीणा, पूर्व अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सिंह राठौड़, श्री एल.एल.शर्मा, श्री नीरज श्री किशोर शर्मा जी सहित वरिष्ठ पत्रकार, लेखक और साहित्यकार मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती ज्योति जोशी जी ने किया।

इमानदारी की मिसाल...मानवता आज भी जिंदा है, मानवता की एक मिसाल पेश की जयपुर हाईकोर्ट के एडवोकेट प्रदीप विश्नोई ने, विश्नोई को त्रिवेणी पुलिया के पास बेशकीमती एप्पल का आईफोन मिला , जिसको गोपालपुरा पुलिस चौकी के ASI मूलचंद मीणा को सौंपा जिससे जिस व्यक्ति का है उस व्यक्ति तक फोन पहुंच सके , इस सराहनीय कार्य के लिए एएसआई मूलचंद मीणा ने एडवोकेट प्रदीप बिश्नोई का आभार जताया।

खेल दिवस पर ग्रामीण ओलंपिक का आग़ाज़

11 हजार 285 ग्राम पंचायतों में एक साथ खेलेंगे 29.80 लाख खिलाड़ी

हिलव्यू समाचार

जयपुर। हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस पर प्रदेश में ग्रामीण ओलंपिक का शोर रहा। 11 हजार 285 ग्राम पंचायतों में एक साथ 29 लाख 80 हजार खिलाड़ियों की सहभागिता में शुरू हुई इस प्रतियोगिता में आमजन में भी उत्साह दिखाई दिया। प्रभारी मंत्री अपने-अपने जिलों में इस प्रतियोगिता के उद्घाटन में शामिल हुए। वहीं अफसरों ने भी अपनी मौजूदगी दर्ज करवाई। जगह-जगह हुए आयोजनों में खेल ध्वजारोहण किया और मार्च पास्ट की सलामी। वहीं दूसरी तरफ ध्यानचंद के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में जयपुर में प्रभात फेरी निकाली गई।

जयपुर में ग्रामीण ओलम्पिक खेलों का शुभारम्भ प्रभारी मंत्री शांति धारीवाल ने सांगानेर पंचायत समिति के झांझरिया गांव में किया। इस दौरान खिलाड़ियों में भारी उत्साह देखने को मिला। मंत्री ने इस मौके पर खुद ने भी वॉलीबाल पर हाथ आजमाए। खिलाड़ियों को वॉलीबाल खिलाकर खेलों की शुरुआत की गई। कार्यक्रम में उपस्थित खिलाड़ियों एवं जनप्रतिनिधियों को शपथ दिलाई गई। शान्ति धारीवाल ने कहा कि ओलंपिक खेलों से ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को अपना हुनर दिखाने के लिए ये खेल मील का पत्थर साबित होंगे। ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, लेकिन उनको सही मंच नहीं मिलने से वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं।

खिलाड़ियों ने मेजर ध्यानचंद को दी श्रद्धांजलि

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद हॉकी के महान जादूगर के नाम से विख्यात मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस को 'राष्ट्रीय खेल दिवस' के रूप में मनाते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर प्रभात फेरी निकाली गई, जो स्टेडियम के मुख्यद्वार से रवाना होकर विधानसभा भवन, टोंक रोड, अर्जुन गेट होते हुए स्टेडियम परिसर के हॉकी ग्राउंड पर पहुंचे।

हर तहसील में ध्यानचंद स्टेडियम

खेल राज्यमंत्री अशोक चांदना ने जोधपुर में ओलंपिक के उद्घाटन पर कहा कि हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द के नाम पर प्रदेश में तहसील स्तर पर स्टेडियम बन रहे हैं। 50 से अधिक स्टेडियम का निर्माण प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि युवाओं में खेल भावना के विकास के परिणाम जल्द सामने आएंगे।

नई सोच नई पहल संस्था ने किया शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन

हिलव्यू समाचार

नई दिल्ली/जयपुर। निरका नई दिल्ली में नई सोच नई पहल संस्था द्वारा शिक्षक समारोह का आयोजन किया गया। संस्था में पढ़ने वाले बच्चों ने उत्साहित होकर इसमें हिस्सा लिया,छात्र छात्राओं के द्वारा मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, लगभग 1400 छात्र छात्राओं के लिए ओलंपियाड आयोजन किया साथ ही विजेता विद्यार्थियों को गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल से पुरस्कृत किया गया। शिक्षक दिवस समारोह के मोके पर मुख्य अतिथि श्री नरेंद्र लड़वाल जी (चैयरमेन सी हांक ग्रुप) श्री विनीत टोकस जी समाजसेवी,श्री शैलेश प्रकाश जी समाजसेवी,श्री अनुज शर्मा जी समाजसेवी उपस्थित रहे।

सम्मानित शिक्षक

लोकेश कुमार जी, डा मुकेश जी, धनराज जी, कमल झा जी, प्रवीण त्यागी जी, राजेन्द्र यादव जी, अनीता जोशी जी ,आशा मेहरा जी, राजू तिवारी जी, प्रमोद यादव जी, इंद्रजीत सिंह जी , सानिया जी , तानिया जी, निधी मिश्रा जी, अनिषा राजपूत

- **ओलंपियाड 2022 में गोल्ड मेडल विजेता**
  - संजना टोकस (सिनियर)
  - अंकित राज (जूनियर)
- **ओलिंपियाड 2022मे सिल्वर मेडल विजेता**
  - आयुषी राणा (सिनियर)
  - विनित शर्मा (जूनियर)
- **ओलिंपियाड 2022 में ब्रॉन्ज मेडल विजेता विद्यार्थी**
  - ईशांत, हयान टोकस (सिनियर)
  - राशिका (जूनियर)
- **टैक्निकल टीम**
  - कशिश, यश जोशी, मयंक, रूपेश, उज्जवल झा, अखिलेश, आलिया, दक्ष

अंत में संस्था के अध्यक्ष दिनेश चंद्र जोशी जी ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम को समाप्त किया।

400 करोड़ राजस्व मिलेगा

डेढ़ दशक बाद जयपुर समेत 6 शहरों में फिर खनन की तैयारी, इसी साल के अंत तक शुरू हो सकता है

जयपुर। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में करीब डेढ़ दशक पहले खनन लगभग खत्म हो गया था। लेकिन अब शहरों में अवैध खनन की गतिविधियों को देखते हुए राज्य सरकार ने छह शहरों में फिर से वैध खनन कराने की दिशा में काम शुरू किया है। जयपुर, जोधपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, बीकानेर और जैसलमेर में इस साल के अंत तक खनन शुरू किया जा सकता है। विशेष कमेटी गठन भी की है। खान विभाग के अनुसार, इन जगहों पर खनन की मंजूरी मिली तो सरकार को 400 से 500 करोड़ रुपए सालाना का रेवेन्यू मिलेगा। साथ ही 10 से 15 हजार लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार भी मिलेगा। खान विभाग के एसीएस सुबोध अग्रवाल बोले- नगरीय विकास विभाग से समन्वय कर रहे हैं। ताकि नियमानुसार खनन पट्टों की ई-नीलामी की जा सके।

अब तक की कहानी : नगरीय निकाय क्षेत्रों में एनओसी आवंटन के लिए नगरीय विकास

विभाग ने 5 अक्टूबर 2017 को गाइडलाइन जारी की। इसके बाद मुख्य सचिव ने 7 जनवरी 2020 की बैठक में इसे और सरल बनाने के निर्देश दिए। ग्रुप ऑफ सेक्रेटरीज की 6 मई 2022 को हुई बैठक में खान विभाग व नगरीय विकास विभाग को समन्वय कर गाइडलाइंस जारी करने को कहा गया है।

पायलट समर्थक MLA पर PCC चीफ का पलटवार, डोटासरा बोले... सोलंकी पर करेंगे कार्यवाही

हिलव्यू समाचार

जयपुर। राजस्थान में गहलोत और पायलट समर्थक चाकसू विधायक वेदप्रकाश सोलंकी के बयान पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने निशाना साधा है। राजधानी जयपुर में मीडिया से बात करते हुए डोटासरा ने कहा कि मैंने उनका बयान नहीं सुना है। लेकिन मैं एक बात साफ करना चाहता हूं जो भी कांग्रेस पार्टी के सिंबल पर जीत कर आया है। वो कितना भी बड़ा जनप्रतिनिधि और कितना भी बड़ा लाट साहब हो, सबके लिए पार्टी का अनुशासन बनाए रखना जरूरी है। जो अनुशासन बनाकर नहीं रखता है तो यह मानकर चलना कि वो पार्टी के साथ अच्छा नहीं कर रहा है। पार्टी उस बात को नोट करती है समय आने पर पार्टी के लिए जो अच्छा काम करता उसको इनाम मिलेगा और जो पार्टी का नुकसान करेगा। उसको सजा मिलेगी। ऐसा हमेशा से होता आया है और आगे भी होता रहेगा। उल्लेखनीय है कि पायलट समर्थक माने जाने वाले विधायक वेदप्रकाश सोलंकी ने बुधवार को कहा कि था कि वह सचिन पायलट समर्थक है। किसी पार्टी का समर्थक नहीं है। इस बयान के बाद कांग्रेस में सियासी घमासान तेज हो गया। पीसीसी चीफ ने आज सोलंकी के बयान पर पलटवार किया है।

दो दिवसीय राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन संपन्न

बार-बार ग्रहों की स्थिति में बदलाव के कारण देश में हो रहा असंतुलन

कार्यालय संवाददाता

उदयपुर। भारत की कुंडली के अनुसार वर्तमान में राहु, शनि और बृहस्पति मिलक एक बड़ा बदलाव लाने वाले हैं। राहु से असंभव कार्य भी संभव होंगे, शनि न्याय स्थापित करेगा और बृहस्पति ज्ञान की बढ़ोत्तरी करने वाला है। पिछले सैंकड़ों वर्षों में भी ग्रहों की स्थिति में इतनी तेजी से बदलाव नहीं हुआ है, जितना 2018 के बाद हुआ है और यह स्थिति 2025 तक रहेगी। ग्रहों की स्थिति में तेजी से बदलाव के कारण ही असंतुलन हो रहा है जो आगे भी रहेगा। शहर में चल रहे राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन में देश भर से आए प्रमुख ज्योतिषियों ने देश के मौजूदा हालात पर ऐसी ही राय रखी। मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती अतिथि ग्रह में चल रहे इस सम्मेलन के अंतिम दिन रविवार को ज्योतिष विद्वानों ने देश के हालात से लेकर ज्योतिषि के विभिन्न पहलुओं और गणनाओं पर मंथन किया। कार्यक्रम के आयोजक और विवि के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. नीरज शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में देशभर से 150 से अधिक ज्योतिषियों ने भाग लिया। रविवार को विभिन्न सत्रों में ज्योतिषियों ने धर्म व ज्योतिष विषय पर पत्र वाचन किये। आयोजन सचिव डॉ. रवि शर्मा ने बताया कि पत्र वाचन के बाद विद्वत सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समन्वयक डॉ. जी.एल पाटीदार और संयोजक डॉ. मुरलीधर पालीवाल ने सभी अतिथियों का आभार जताया। अतिथियों में विनोद नाटाणी, डॉ. अनिल स्वामी, सत्यनारायण शर्मा, योगेश सुरोलिया, पुष्पा जोशी, भारती चौधरी, घनश्याम मिश्र आदि शामिल रहे।

देश को अंदरूनी दुश्मनों से होगी समस्या

उड़ीसा के आचार्य डॉ. किशोर पंडा ने बताया कि आने वाले समय में देश में बाहरी दुश्मनों से ज्यादा अंदरूनी शत्रुओं से ज्यादा खतरा होने वाला है। इस दौरान कई राजनैतिक बदलाव भी होने वाले हैं। देश को कुछ समय तक आर्थिक स्थिति में समस्याएं झेलनी पड़ सकती है लेकिन कुशल नेतृत्व द्वारा इन पर नियंत्रण कर लिया जाएगा।

चंद्रमा और शुक्र देता है यश और सम्मान

सम्मेलन में ज्योतिषियों ने बताया कि कुंडली के चौथे, सातवें और दसवें भाव के साथ-साथ 12वें भाव से व्यक्ति के मान-सम्मान की स्थिति भी देखी जाती है। मूल रूप से चंद्रमा और शुक्र यश प्रदान करने वाले ग्रह हैं। हस्तरेखा विज्ञान में सूर्य को यश का ग्रह माना जाता है। वहीं शनि, राहु और खराब चंद्रमा यश में बाधा पहुंचाने वाले ग्रह हैं।

टिचर्स डे धूमधाम से मनाया

हिलव्यू समाचार

जयपुर। 'शिक्षक दिवस सम्मान समारोह' नारी कभी ना हारी लेखिका साहित्य संस्थान जयपुर एवं सपनाज़ ड्रीम चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से टिचर्स डे मानसरोवर के एक होटल में धूमधाम से मनाया गया। संस्थान अध्यक्ष वीना चौहान ने सभी को बच्चों के लिए अच्छी कहानियाँ लिखने का शिक्षक लेखिकाओं से आग्रह किया अध्यक्षता प्रियंका गुप्ता अधीक्षक डाकतार विभाग ने की। उन्होंने राष्ट्रभाषा को सशक्त करने व पुस्तक खरीद कर पढ़ने की आदत डालने पर जोर दिया। डा. पुनीता सिंह डायरेक्टर राजस्थान पर्यटन विभाग ने सभी शिक्षकों को आदर्श शिक्षक कह अभिनन्दन किया और सभी कलम की धनी बहनों को समाज के लिए सशक्त लेखन करने पर जोर दिया। शारदा कृष्णन ने समाज में शिक्षक की भूमिका पर प्रकाश डाला। नूतन गुप्ता जी ने जीवन की कठिनाइयों से न घबराने की सीख दी। शिक्षक दिवस पर सभी शिक्षको का सम्मान किया गया। शकुन्तला शर्मा, रजनी शर्मा, आशा शर्मा, आशा शर्मा अँशु, शीलवंत कौर, रीता सोलंकी, आशा सक्सेना, विनयप्रभा जैन, वंदना खुश दिल, रतना कौशिक, मँजू कपूर डा. पारूल जैन विमलेन्दर राठी, रतना कौशिक कमलेश शर्मा, अनिता सिंह, रमा भाटी, उषा नागियाँ, सुनीताधाकड़, भटनागर एवं अन्य अनेक सेवानिवृत्त व सेवारत प्राचार्या, शिक्षकों ने कविता, गायन व नृत्य से समा बाँध दिया। मंच संचालन रतना शर्मा ने किया। नीलम सपना ने सभी को धन्यवाद दिया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **ब्यूरो चीफ कोटा:** असलम रोमी मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)